RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:24 ता. 17 जूलाई 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

समंदर में फोटो लेते वक्त खौफनाक हादसा, देखते-देखते लहरों में बह गई महिला

मुंबई। खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेने के चक्कर में कई बार लोगों की जान चली गई है। ऐसा ही एक दर्दनाक हादसा मुंबई में हुआ। परिवार के साथ पिकनिक मनाने कई पत्नी अपनी पति की बाहों से कब अलग होकर समंदर की लहरों में बह गई पता ही नहीं चला। बड़ी-बड़ी लहरों को देखकर 12 साल की बेटी चीखती रह गई लेकिन फोटो खिंचवान में मस्त दंपती ने इस पर ध्यान नहीं दिया और महिला को जान गंवानी पड़ी। वीडियो में देखा जा सकता है कि समंदर के बीच पत्थर बैठकर पति

और पत्नी इंजॉय कर रहे हैं। साथ में ही परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद हैं। एक बच्ची वीडियो बना रही है। वीडियो में बच्ची की आवाज भी सुनी जा सकती है। अचानक बड़ी लहर आती है और महिला को बहाकर ले जाती है। बच्ची और पिता बस देखते रह जाते हैं। इसके बाद चीख-पुकार मचती है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला का नाम ज्योति सोनार है। महिला के पति मुकेश ने बाद में बताया कि वह एक निजी कंपनी में टेक्निशन के तौर पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पीछे से लहर ने जोरदार झटका मारा और दोनों ही पत्थर पर से फिसल गए। इसके बाद पत्नी को बचाने के लिए उन्होंने साड़ी पकड़ी लेकिन वह फिसल गईं। घटना शाम के करीब 5 बजे की है। घटा के बाद पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। तलाशी अभियान शुरू हुआ तो महिला का शव बरामद किया गया। मुकेश ने बताया कि वह अकसर पत्नी, 12 साल की बेटी और छह साल के बेटे के साथ पिकनिक पर जाया करते थे। उस दिन भी वे सभी पिकनिक मनाने बांद्रा बीच पर गए थे। वहीं तस्वीर लेते वक्त यह खौफनाक दुर्घटना हुई।

विपक्षी एकजुटता के जवाब में एनडीए का महाजुटान, 18 जुलाई को दिल्ली से बेंगलुरु तक बैठक

नई दिल्ली। 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में विपक्ष की दूसरी बैठक होने वाली है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी 18 जुलाई को दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक बुलाई है। इसमें उसने अपने पुराने और नए सहयोगियों को आमंत्रित किया है। सूत्रों ने कहा कि अब तक 19 दलों ने एनडीए बैठक में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए सहयोगियों को पत्र भेजा है। इनमें अजीत पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट और जीतन राम मांझी के हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा जैसे नए सहयोगी शामिल हैं।

एनडीए की बैठक संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले हो रही है। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा की जाएगी।

एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे। इसे सत्तारूढ़ गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन करने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान यह पहली बार है कि इस पैमाने की एनडीए बैठक हो रही है।

एनडीए की बैठक में कौन-कौन?

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के अलावा एनडीए की बैठक में भाग लेने वालों में बिहार के कई छोटे दलों के साथ-साथ पूर्वोत्तर के कई सत्तारूढ़ सहयोगी भी शामिल हैं। इनमें चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजेपी (रामविलास), उपेन्द्र कुशवाह की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी, संजय निषाद की निषाद पार्टी, अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व वाली अपना दल (सोनेलाल), हरियाणा से जेजेपी, पवन कल्याण के नेतृत्व वाली जनसेना शामिल हैं। इसके अलावा, एआईएडीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस और भारत मक्कल कालवी मुनेत्र कड़गम जैसे दल भी आएंगे। झारखंड से ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (एजेएसयू), मेघालय से कॉनराड संगमा की एनसीपी, नागालैंड से एनडीपीपी, सिक्किम से एसकेएफ, जोरमथांगा की मिजो नेशनल फ्रंट और असम से एजीपी को भी बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की संभावित सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि उन्हें एनडीए बैठक में शामिल होने के लिए अब तक नड्डा से कोई पत्र नहीं मिला है।

इसके अलावा फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं है कि क्या भाजपा चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाले टीडीपी और सुखबीर बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल को इस बैठक में शामिल करेगी या नहीं। इनके साथ गठबंधन की संभावना तलाशने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत कर रही है। टीडीपी और एसएडी दोनों के सूत्रों ने कहा कि उन्हें शनिवार शाम तक एनडीए बैठक के लिए कोई निमंत्रण नहीं मिला है। सूत्रों ने बताया कि इस बार सहयोगियों के प्रति बीजेपी के रुख में बदलाव आया है। चिराग पासवान से केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने नड्?डा का निमंत्रण पत्र लेकर मुलाकात की। नित्यानंद राय ने शुक्रवार रात एक सप्ताह में दूसरी बार चिराग से मुलाकात की है। नड्डा ने एलजेपी को एनडीए का एक प्रमुख घटक और गरीबों के विकास और कल्याण के लिए मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के प्रयासों में भागीदार बताया है। अपने पूर्व सहयोगी बिहार के मुख्यमंत्री और जद (यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार के पिछले साल अगस्त में दूसरी बार एनडीए से बाहर निकलने के बाद भाजपा ने चिराग पासवान को अपने साथ लाने के प्रयास शुरू किए। दिलचस्प बात यह है कि एनडीए से बाहर होने के बावजूद चिराग पासवान बीजेपी के फैसलों में समर्थन करते रहे थे। भाजपा ने बजट सत्र से पहले जनवरी 2021 में एनडीए के फ्लोर लीडर्स की बैठक में उन्हें निमंत्रण दिया था, लेकिन अपने तत्कालीन सहयोगी जेडीयू के विरोध के कारण इसे छोड़ना पड़ा। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान नीतीश के खिलाफ प्रचार करने के लिए चिराग पासवान बिहार में एनडीए गठबंधन से बाहर हो गए थे। उनके चाचा पशुपति कुमार पारस को केंद्र में मंत्री बनाया गया। एलजेपी में विभाजन ने उन्हें कमजोर कर दिया। कहा जाता है कि चिराग पासवान की पार्टी के मूल समर्थन आधार को बनाए रखने में सफल रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा उन्हें तरजीह देने लगी है।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर बाबा महाकाल करेंगे नगर भ्रमण

सोमवती अमावस्या का संयोग,जुटेगी भारी भीड़

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध बाबा महाकाल श्रावण मास के दूसरे सोमवार (कल) को नगर भ्रमण करेंगे। इस बार सोमवार को अमावस्या पर्व भी है। इस वजह से सोमवती अमावस्या स्नान के लिए शिप्रा तट पर करीब तीन लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महाकाल मंदिर में सोमवार शाम चार बजे कोटितीर्थ के पास सबसे पहले बाबा महाकाल की पूजा की जाएगी। इसके बाद बाबा रजत पालकी में बैठेंगे। मंदिर के प्रवेश द्वार पर बाबा की पालकी पहुंचेगी। यहां सशस्त्र पुलिस बल बाबा को गार्ड

ऑफ ऑनर देंगे। इसके बाद पुलिस बैंड की धुन पर बाबा महाकाल नगर भ्रमण करेंगे। इस वर्ष श्रावण-भादौ मास की बाबा महाकाल की 10 सवारियां निकलेंगी। कल (सोमवार) बाबा महाकाल की दूसरी सवारी रहेगी। बाबा महाकाल भक्तों को चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में दर्शन देंगे। पालकी के पीछे हाथी पर मन-महेश विराजीत रहेंगे। नगर भ्रमण के दौरान बाबा की पालकी रामघाट पहुंचेगी। यहां मां शिप्रा के जल से बाबा का जलाभिषक होगा। परंपरानुसार पालकी सायं सात बजे से पूर्व महाकाल मंदिर पहुंचेगी। स्कंद पुराण के अवंति खंड में सोमवती अमावस्या पर शिप्रा तीर्थ स्नान का महात्म्य है। इसीलिए लाखों श्रद्धालु तीर्थ स्नान करने उज्जैन पहुंचते हैं। शिप्रा तट के समीप ही सोमतीर्थ कुंड भी है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए फव्वारा स्नान की व्यवस्था की है।

देश के लगभग सभी हिस्सों में बारिश का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। देश के लगभग सभी हिस्सों में अगले 24 घंटों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। देश की मौसम संभावित गतिविधि पर यह पूर्वानुमान स्काईमेट ने जारी किया है। इसमें कहा गया है कि दक्षिण-पूर्व राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, दक्षिण गुजरात, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, छत्तीसगढ़, ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश में कहीं हल्की, कहीं मध्यम और कहीं भारी बारिश होगी। स्काईमेट के अनुसार बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंतरिक महाराष्ट्र में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और आंतरिक कर्नाटक में हल्की बारिश संभव है। पिछले 24 घंटों के दौरान उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम के पश्चिमी हिस्सों, तटीय ओडिशा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश की तलहटी, कोंकण और गोवा, दक्षिण गुजरात, ओडिशा, बिहार, विदर्भ, लक्षद्वीप, केरल, उत्तराखंड, दिल्ली के कुछ हिस्सों, उत्तरी हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश हुई। इस समय मानसून की धुरी का पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण और पूर्वी छोर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है। मानसून ट्रफ बीकानेर, नारनौल, ग्वालियर, सतना, डाल्टनगंज, दीघा और बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी से गुजर रही है। दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य और हरियाणा और आसपास चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। आज बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण विकसित होने की उम्मीद है।

एनडीए का हिस्सा बने ओपी राजभर

अमित शाह से मुलाकात कर सुभासपा-भाजपा के गठबंधन का किया ऐलान

लखनऊ। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सुभासपा-भाजपा के गठबंधन का ऐलान कर दिया है। पिछले कई दिनों से भाजपा-सुभासपा के गठबंधन को लेकर जो कयास लग रहे थे उन पर अब विराम लग गया है। ओम प्रकाश राजभर एक बार फिर एनडीए का हिस्सा बन गए हैं। ओम प्रकाश राजभर ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात करके भाजपा-सुभासपा के गठबंधन की घोषणा की है। ओपी राजभर ने अमित से करीब एक घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान राजभर ने पूर्वांचल की गाजीपुर, चंदौली और आजमगढ़ की लोकसभा सीट मांगी है। पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाजीपुर लोकसभा सीट पर भाजपा और राजभर के बीच बात भी बन गई है हालांकि अभी चंदौली और आजमगढ़ लोकसभा सीट पर बातचीत चल रही है।

अमित शाह ने राजभर का एनडीए में किया स्वागत-एनडीए में शामिल हुए ओम प्रकाश राजभर का गृहमंत्री अमित शाह ने स्वागत किया है। अमित शाह ने ट्वीट करके कहा, राजभर से दिल्ली में हुई भेंट

के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में आने का निर्णय लिया। मैं उनका एनडीए परिवार में स्वागत करता हूं। शाह ने आगे लिखा, राजभर जी के आने से उत्तर प्रदेश में एनडीए को मजबूती मिलेगी और मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए द्वारा गरीबों व वंचितों के कल्याण हेतु किए जा रहे प्रयासों को और बल मिलेगा।

गठबंधन से पहले राजभर ने अमित शाह के सामने रखी शर्त, मांगीं तीन सीटें, एक पर बात बन गई

लखनऊ। करीब छह महीने से सुभासपा-भाजपा के गठबंधन को लेकर जो कयास लगाए जा रहे थे उन पर अब विराम लग चुका है। सुभासपा अध्यक्ष राजभर ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद सारे सस्पेंस खत्म कर दिए हैं। ओम प्रकाश राजभर अपने बेटे अरुण राजभर गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। एनडीए का हिस्सा बनने से पहले ओम प्रकाश राजभर ने गृहमंत्री के सामने तीन शर्तें भी रखीं। ये तीन शर्तें पूर्वांचल की तीन सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर थी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार तीन में से एक सीट पर बात भी बन गई है, जिस पर वह अपने छोटे बेटे अरुण राजभर को चुनाव लड़ाने की तैयारी में हैं। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद से ही ओम प्रकाश राजभर दूसरे दलों के साथ गठबंधन को लेकर रास्ता खोज रहे थे। गठबंधन को लेकर राजभर ने पहले बसपा से संपर्क साधा लेकिन मायावती ने राजभर के लिए बसपा का दरवाजा ही नहीं खोला। इसके अलावा राजभर ने छोटे-छोटे दलों से भी गठबंधन किया। छह महीने पहले ही राजभर का मूड बदला और भाजपा के साथ जाने का मन बनाया। राजभर कई दिनों से भाजपा में जाने को लेकर हाथ-पांव मार रहे थे लेकिन उन्हें सही समय का इंतजार था। पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से हुई मुलाकात के बाद राजभर ने गठबंधन को लेकर तारीख तय कर दी थी, हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया था कि गठबंधन किससे होगा।

राजभर बेटे अरुण के साथ जब दिल्ली में अमित शाह से मिलने पहुंचे तो गठबंधन की बात भी साफ हो गई। राजभर ने शाह से करीब एक घंटे तक बात की। राजभर ने शाह से पूर्वांचल की गाजीपुर, आजमगढ़ और चंदौली सीट मांगी। राजभर और अमित शाह के बीच गाजीपुर लोकसभा सीट को लेकर बात भी बन गई है। राजभर इस सीट से छोटे बेटे अरुण राजभर को लोकसभा का चुनाव लड़ाएंगे। इसको लेकर उन्होंने पूरी तैयारी कर ली है। वहीं दूसरी ओर एनडीए में शामिल हुए राजभर को एक बार फिर योगी सरकार मंत्री पद दे सकती है।

बालिका गृह कांडः सजायाफ्ता किंगपिन ब्रजेश ठाकुर की मां और पत्नी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, आया यह फैसला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम मामले में बलात्कार के दोषी बृजेश ठाकुर की मां और पत्नी को बड़ी राहत दी है। प्रक्रिया पूरी होने तक गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए अंतरिम सुरक्षा बढ़ा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए राहत बढाई कि याचिकाकर्ता महिलाएं हैं और मां की उम्र अधिक है। इस मामले में ब्रजेश ठाकुर और उसके परिवार के सदस्यों पर जिनमें मां और पत्नी भी शामिल हैं, धनशोधन निवारण अधिनियम-2002 के तहत आरोप लगाया गया। सीबीआई की जांच में कहा गया है कि उन्होंने एनजीओ में बच्चों के कल्याण के लिए सरकार और अन्य स्रोतों से प्राप्त धन का सही उपयोग नहीं किया, बल्कि उसका व्यक्तिगत उपयोग किया और संपत्तियों का अधिग्रहण किया।

बड़े पर्दे पर दिखेगी बालिका गृह कांड की खौफनाक कहानीः 'गैंग्स ऑफ बिहार' फेम नीरज बना रहे फिल्म, निर्माता चार महिलाएं

ब्रजेश ठाकुर की मां मनोरमा देवी और उसकी पत्नी कुमारी आशा ने पटना उच्च न्यायालय द्वारा अग्रिम जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। जस्टिस ए.एस. बोपन्ना और जस्टिस एम.एम. सुंदरेश की पीठ ने कहा, याचिकाकर्ताओं को दी गई अंतरिम सुरक्षा प्रक्रिया पूरी होने तक बढ़ा दी गई है, बशर्ते कि याचिकाकर्ता आगे की

प्रक्रिया में आवश्यकता पड़ने पर गंभीरता से शामिल हों। गौरतलब है कि एनजीओ फंड का अवैध रूप से दुरुपयोग करने के लिए ठाकुर और उसके परिवार के सदस्यों पर पटना में केस दर्ज किया गया था।

इस बड़े और चर्चित कांड में ब्रजेश ठाकुर सहित कई आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम- 2002 की धारा- 45 के तहत पटना स्थित विशेष न्यायालय के समक्ष मामला दायर किया गया था। 26 मई 2018 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की रिपोर्ट में पहली बार मुजफ्फरपुर के बालिका गृह में नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी का खुलासा हुआ था। टिस की रिपोर्ट सामने आने के बाद मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन की ओर से एफआईआर दर्ज कराया गया और ब्रजेश ठाकुर की तत्काल गिरफ्तारी कर ली गई। बाद में 26 जुलाई 2018 को राज्य सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी। उसके बाद 27 जुलाई 2018 को सीबीआई ने बालिका गृहकांड की एफआईआर पटना स्थित अपने थाने में दर्ज की थी और जांच में ब्रजेश ठाकुर और उसके परिजनों एवं कर्मियों को आरोपी बनाया। सीबीआई ने इस मामले में 21 लोगों को आरोपी बनाया जिनमें 10 महिलाएं भी हैं। उनपर आरोप लगा कि बालिका गृह की में आने वाली लड़कियों के साथ हो रही दरिंदगी को छिपाती रहीं। महिलाओं ने बच्चियों को चुप रहने के लिए उनको यातनाएं भी दीं जिसका खुलासा जांच में हुआ। मुजफ्फरपुर बालिका गृह में तैनात रसोइयां से लेकर गेटकीपर तक पर लड़कियों के साथ दुष्कर्म करते थे। इस कांड में 34 लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़ण किया गया। इस मामले में नीतीश सरकार में मंत्री मंजु वर्मा को पद छोड़ना पड़ा.

6 राज्यों में 60 फ़ीसदी से ज्यादा विधायकों पर अपराधिक मुकदमे

नई दिल्ली । एडीआर ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार देशभर के 28 राज्य की विधान सभाओं और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 4001 विधायकों के विवरण का विश्लेषण किया गया है। इस विश्लेषण में उजागर हुआ है, कि 6 राज्यों जिनमें सर्वाधिक अपराधी विधायक हैं। 70 फ़ीसदी केरल मे बिहार के 67 फ़ीसदी, दिल्ली के 63 फ़ीसदी, महाराष्ट्र के 62 फ़ीसदी, तेलंगाना के 61 फ़ीसदी और तमिलनाडु के 60 फ़ीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की भी स्थिति कोई बहुत अच्छी नहीं है। यहां पर भी 44 फ़ीसदी औसतन विधायक अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। 4001 विधायकों में से 1777 विधायकों के ऊपर अपराधिक प्रकरण न्यायालयों में चल रहे हैं। अपराधिक प्रवृत्ति के इन विधायकों की संपत्ति भी करोड़ों रुपयों की है। औसतन संपत्ति 16। 36 करोड रुपए प्रति विधायक है। जबकि बिना अपराधिक मामले वाले विधायकों की औसत संपत्ति 11.45 करोड़ रुपए है। विधायकों की संपत्ति के मामले में आंध्र प्रदेश के विधायक सबसे ज्यादा धनी है। यहां पर 28.24 करोड रुपए ओर महाराष्ट्र के विधायकों का 23.51 करोड रुपए की संपत्ति के साथ देश भर के विधायकों में सबसे आगे हैं। 4001 विधायकों में 88 विधायक अरबपति हैं। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि 28 फ़ीसदी विधायकों के ऊपर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिसमें हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और महिलाओं से संबंधित यौन अपराध शामिल हैं। यही विधायक सदन मे जनता के भाग्य का निर्णय करते हैं। टैक्स बढ़ाने से लेकर जनता के लिए जो भी कानून बनाए जाते हैं। इतने बड़े पैमाने पर अपराधिक प्रकरण के निर्वाचित प्रतिनिधि होने पर चिंता होना स्वाभाविक है।

1600 लीटर ब्रेस्ट मिल्क दान कर विश्व रिकॉर्ड बनाया, एलिजाबेथ ने

नई दिल्ली । अमेरिका के ओरगन प्रांत में रहने वाली एलिजाबेथ एंडरसन सियरा ने विश्व कीर्तिमान रच दिया है। दो बच्चों की मां सियरा ने 20 फरवरी 2015 से लेकर 20 जून 2018 तक 1599।68 लीटर ब्रेस्ट मिल्क स्थानीय मिल्क बैंक को दान किया है। जिसके कारण हजारों बच्चों का पोषण हुआ है। कई बच्चों की जान भी बचाई गई है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से जारी वीडियो को 16 लाख से अधिक लोगों द्वारा देखा गया है। सियरा को हाइपर लेक्टेशन सिंड्रोम की बीमारी है। इस बीमारी में जल्दी-जल्दी दूध बनता है। यदि इसे बाहर नहीं निकाला जाए, तो दूध स्तन से बहने लगता है। सियरा के शरीर में बड़ी मात्रा में प्रॉलेक्टिीन नामक हार्मोन बनता है। जो दूध की मात्रा को बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण होता है। इस दूध का उपयोग सियरा ने मासूम बच्चों की जान बचाने और उन्हें पोषण आहार के रूप में देकर, एक नया इतिहास रचा है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री ने किया सीनियर अफसर पर हमला

नई दिल्ली । विमान यात्री के असभ्य व्यवहार की एक और घटना सामने आई है। हाल में सिडनी से दिल्ली के लिए रवाना विमान में सवार यात्री ने एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी से गाली-गलौच की और उन पर हमला कर दिया। यह घटना तब हुई जब सीट की खराबी के कारण बिजनैस क्लास से इकोनॉमी क्लास में डाऊनग्रेड किए गए एयर इंडिया के अधिकारी ने अपने सह-यात्री को उसकी ऊंची आवाज के कारण टोकने की कोशिश की। एयर इंडिया के अधिकारी को 30-सी सीट आबंटित थी, लेकिन वहां अन्य यात्री थे इसलिए उन्होंने सीट बदलने का निर्णय लिया। इसके बाद उन्हें 25 एबीसी सीट दी गई। सूत्र ने आरोप लगाया कि एआई के अधिकारी ने अपने सहयात्री को उसकी ऊंची आवाज को लेकर टोकना शुरू किया लेकिन उनके बगल में बैठे यात्री ने उन्हें थप्पड़ मार दिया और उनका सिर मरोड़कर उनके साथ गाली-गलौच की।

पालघर में बैठकर कनाडाई नागरिकों से ठगी, फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाला गिरोह धराया

मुंबई। मुंबई से सटे पालघर जिला में पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर के जरिए कनाडा के नागरिकों से ठगी करने वाले एक गिरोह को गिरफ्तार किया है. यह बड़ा रैकेट पालघर के वाडा तालुका से चल रहा था। यह फर्जी कॉल सेंटर मेगाविला नामक बिल्डिंग में बनाया गया था। ठाणे पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए करीब 25 लोगों को गिरफ्तार किया है. इसमें इमारत के फ्लैट के दो मालिकों के साथ-साथ 23 लोगों का एक गिरोह भी शामिल है। यह अनधिकृत कॉल सेंटर मेगाविला नामक इमारत के छह फ्लैटों में चलाया जा रहा था। कॉल सेंटर पर आरोपी अवैध रूप से कनाडाई नागरिकों के मोबाइल नंबर, नाम, पता जैसी जानकारी हासिल कर रहे थे। इसके बाद वह इन नागरिकों को फोन करके कहता था कि वह अमेजन से बोल रहा है। वे उन सामानों की डिलीवरी के बारे में जानकारी देते थे जिनका नागरिकों ने ऑर्डर नहीं किया था। गिरोह के लोग नागरिकों को पता बताकर उनका विश्वास हासिल करते और जब नागरिक कहते थे कि उन्होंने कुछ भी ऑर्डर नहीं किया है, तब उनसे ऑर्डर रद्द करने के लिए 1 बटन दबाने के लिए कहते। जैसे ही 1 बटन दबाया जाता था कॉल उसके ग्रुप के दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर हो जाती थी। इसमें अमेजॉन के अधिकारी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को कानूनी कार्रवाई की धमकी देते थे। इसके बाद ऑर्डर रद्द करने के लिए इन नागरिकों से बिटकॉइन के जरिए कुछ रकम निकाली जाती थी. पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी एक्स लाइट, आईबीम और एक्स-टेन जैसे कई ऐप का इस्तेमाल कर रहे थे। इसके जरिए उन्हें कनाडा के नागरिकों की जानकारी मिलती है। साथ ही, उन्हें नागरिकों को धमकाने के लिए एक विशिष्ट स्क्रिप्ट भी दी गई थी। उसकी आवाज न पहचानी जा सके इसके लिए आरोपी रोबोटिक वॉयस जनरेटिंग ऐप्स की मदद ले रहे थे। पुलिस ने संभावना जताई है कि इस रैकेट में चार और लोग शामिल हैं. इन चारों की तलाश जारी है. बहरहाल वाडा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच चल रही है.

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 6 कांवड़ियों की मौत, मची अफरा-तफरी

मेरठ । हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मेरठ में शनिवार को 6 कांवड़ियों की मौत से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय घटी जब कांवड़िये मंदिर में जल चढ़ाने के लिए गांव में दाखिल हो रहे थे। डीजे की गाड़ी पर लगभग सत्रह लोग सवार थे जिनमें से 6 की करंट लगने से मौके पर मौत हो गई है, वहीं 10 से ज्यादा कांवड़िए घायल हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हादसे से आक्रोशित कांवड़ियों ने जाम लगाकर जमकर हंगामा किया है। वे बिजली विभाग के अधिकारियों पर लापरवाही का भी आरोप लगा रहे हैं। यह हादसा मेरठ के थाना भावनपुर क्षेत्र के राली चौहान इलाके में हुआ। यहां हरिद्वार से जल लेकर बड़ी डीजे कावड़ मेरठ पहुंचा था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव में दाखिल होने से पहले हाई टेंशन लाइन बंद करने के लिए बिजली विभाग से कहा भी गया था। लेकिन हाई टेंशन लाइन चालू रही और डीजे कावड़ हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। इसके बाद इतना बड़ा हादसा हो गया। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने बिजली विभाग पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है। मौके पर मौजूद कावड़ियों ने रास्ते पर ही जाम लगाकर जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर कई थानों की पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। लोगों को बमुश्किल समझा-बुझाकर शांत किया जा रहा है। वहीं पु?लिस ने लापरवाह विद्युत अधिकारियों पर भी एक्शन का आश्वासन दिया गया है। फिलहाल अस्तपताल में घायलों का उपचार जारी है पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। ताकि किसी तरह की कोई अन्य घटना न हो सके।

चाचा ने किया चार साल की भतीजी से रेप, फिर गला घोंट कर घास में फेंका

शिमला । हिमाचल की राजधानी शिमला में एक चाचा ने अपनी 4 साल की मासूम भतीजी के साथ रेप करके उसका गला घोंट दिया। बच्ची का शव घर के पास ही घास में पड़ा मिला है। मिली जानकारी के अनुसार शिमला के कोटखाई से रिश्तों को तार तार करने वाली यह वारदात सामने आई है। जहां चाचा ने चार साल की मासूम भतीजी के साथ दुष्कर्म करने के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरु कर दी है। मासूम का शव घर से कुछ दूरी पर घास में पड़ा मिला। पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार देर रात घटित इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार नेपाली मूल का है और दिहाड़ी मजदूरी का काम करता है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बच्ची के माता-पिता शनिवार सुबह सेब बगीचे में काम करने गए थे।

केजरीवाल ने कहा- कम हो रहा यमुना का जलस्तर, बाढ़ को लेकर आप और भाजपा के बीच वाकयुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कुछ हिस्सों में जीवन और आजीविका पर कहर बरपाने के बाद शनिवार को उफनती यमुना के स्तर में गिरावट देखी गई। कई इलाकों से बाढ़ का पानी कम होने के कारण अधिकारियों को सड़कें खोलने और यातायात की आवाजाही को आसान बनाने की अनुमति मिली। हालांकि, सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच बाढ़ को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। दोनों दलों ने राजधानी में बाढ़ के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यमुना का जलस्तर धीरे-धीरे कम हो रहा है और अगर अब भारी बारिश नहीं हुई तो स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी, लेकिन उन्होंने कहा कि बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है। दिल्ली सरकार के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ग्रस्त इलाकों में स्थिति में सुधार हो रहा है।

हालांकि, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो दिन शहर में मध्यम स्तर की बारिश और अगले पांच दिनों के दौरान उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व उत्तर प्रदेश में 'भारी से बहुत भारी' स्तर की बारिश होने का अनुमान जताया है। केंद्रीय जल आयोग के बाढ़-निगरानी पोर्टल के अनुसार, शनिवार शाम सात बजे तक यमुना का जल स्तर घटकर 206.87 मीटर हो गया, जो बृहस्पतिवार रात आठ बजे 208.66 मीटर था। शनिवार को सुबह सात बजे जलस्तर 207.62 मीटर था। पिछले दो दिनों में हरियाणा के यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से प्रवाह दर कम होने के साथ, और गिरावट की उम्मीद है। हालांकि, यमुना का जलस्तर अभी भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। शहर में सामान्य जल आपूर्ति, जो डब्ल्यूटीपी में बाढ़ के कारण प्रभावित हुई थी, रविवार को बहाल होने की संभावना है क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा कि वजीराबाद और चंद्रावल में जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) रविवार तक शुरू हो जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कई सड़कें शनिवार को खोल दी गईं, हालांकि कुछ सड़क हिस्सों पर यातायात नियम अभी भी प्रभावी हैं। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र और हरियाणा की सरकारों ने जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी की ओर पानी छोड़ा, जिसकी वजहसे शहर में बाढ़ आई। भारद्वाज ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 3-4 दिन में दिल्ली में भारी बारिश नहीं हुई, फिर भी यमुना में जल स्तर 208.66 मीटर तक पहुंच गया। उन्होंने कहा, 'हथिनीकुंड बैराज से तीन नहरों - पश्चिमी नहर, पूर्वी नहर और यमुना में पानी छोड़ा जाता है। नौ से 13 जुलाई के बीच षड्यंत्र के तहत यमुना नहर से केवल दिल्ली की ओर पानी छोड़ा गया। पश्चिमी और पूर्वी नहर में पानी नहीं छोड़ा गया।' भाजपा ने 'आप' पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली में बाढ़ के लिए 'आप' सरकार की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार जिम्मेदार है और मुख्यमंत्री केजरीवाल से स्थिति को संभालने में विफल रहने के लिए लोगों से माफी मांगने को कहा।भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया और पार्टी के सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केजरीवाल सरकार के पिछले आठ वर्षों में यमुना से गाद निकालने में नाकामी के कारण बाढ़ आई है।

एक म्यान में दो तलवारें नहीं रहती, अब तो तीन एक साथ हैं : बालासाहेब थोराट

मुंबई । महाराष्ट्र के पूर्व राजस्व मंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर बालासाहेब थोराट ने एकनाथ शिंदे और अजित पवार को लेकर बड़ा बयान दिया है। थोराट ने कहा है कि मौजूदा समय में राज्य में एक मुख्यमंत्री हैं, एक पूर्व मुख्यमंत्री जो अब उपमुख्यमंत्री हैं और एक वर्तमान उपमुख्यमंत्री हैं जो मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। थोराट ने कहा कि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती हैं। लेकिन महाराष्ट्र में तो तीन तलवारों को एक म्यान में रखने का काम शुरू है। बालासाहेब थोराट ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि वे (शिंदे-फडणवीस-अजित पवार) आपसी समझ से सरकार चलाएंगे। दूसरी तरफ आम लोगों में इस सरकार के खिलाफ काफी गुस्सा है। थोराट ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं टूटेगा। इसके उलट थोराट ने यह भरोसा जताया कि कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों का एकजुट होकर सामना करने से कांग्रेस राज्य में नंबर वन पार्टी होगी। थोराट ने कहा कि महाराष्ट्र में फिलहाल राजनीतिक अराजकता की स्थिति है। ऐसे हालात इसके पहले कभी नहीं देखे। समय- समय पर राजनीति बदलती है, कुछ बदलाव भी होते हैं। जो कुछ राज्य की सियासत में अभी हो रहा है ऐसा कभी नहीं हुआ। एक साल में दो पार्टियों को तोड़ा गया। बीजेपी ने सत्ता के लिए कुछ भी करने का मूलमंत्र लेकर सरकार बनाई है। विधायक नए मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायकों के बीच टकराव और नाराजगी का माहौल है। जहां फसल बोई गई है वहां पानी नहीं है। इससे किसानों में निराशा की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

दस सालों में इसरो ने रच डाला नया इतिहास, अब तक कर चुका 47 लॉन्चिंग

-चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग हुई तो भारत बन जाएगा दुनिया का सफलतम चौथा देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने पिछले दस सालों में एक से बढ़कर एक नई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवधि में इसरो ने कुल 47 लांचिंग करके इतिहास बनाया है। अभी हाल ही में इसरो ने 14 जुलाई 2023 को चंद्रमा की सतह पर रोबोटिक सॉफ्ट लैंडिंग की दिशा में एक और प्रयास किया। एलवीएम-3 रॉकेट द्वारा चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के चारों ओर एक कक्षा में लॉन्च करने के साथ इसरो के तीसरे चंद्रमा मिशन की शुरुआत हुई। इससे पहले 2008 व 2019 में दो मून मिशन लॉन्च हो चुके हैं। जानकार बता रहे हैं कि इस बार यदि इसरो के लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग सफल हो जाती है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। गौरतलब है कि साल 1969 में अपनी स्थापना के बाद से, देश की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने उपग्रहों को अंतरिक्ष में ले जाने वाले कुल 89 लॉन्च मिशनों को अंजाम दिया है। इन के विश्लेषण से पता चलता है कि नरेंद्र मोदी सरकार के तहत पिछली सभी सरकारों की तुलना में अधिक लॉन्चिंग हुई है। कोविड-19 महामारी के कारण इसरो के लॉन्च की गति धीमी होने के कारण 2020-21 के दौरान केवल कुछ ही मिशन शुरू किए जा सके। बावजूद इसके 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से भारतीय अंतरीक्ष एजेंसी ने 4 अलग-अलग लॉन्च व्हिकल का उपयोग करके 47 मिशन लॉन्च किए हैं।

हालांकि इसरो ने मनमोहन सरकार के दौरान 24, वाजपेयी सरकार के दौरान 6 और नरसिम्हा राव सरकार के दौरान 5 मिशन लॉन्च किए थे। पिछले 9 सालों में इसरो द्वारा लॉन्च किए गए 47 मिशनों में से केवल 3 उपग्रहों को उनकी इच्छित कक्षाओं में स्थापित करने में विफलता मिली, बाकी सभी मिशन सफल रहे। तीन असफल मिशनों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान की पहली उड़ान, 2017 का पीएसएलवी मिशन शामिल है। इसमें नेविगेशन तारामंडल के लिए प्रतिस्थापन किया गया था, जब उपग्रह की सुरक्षा करने वाला हीट शील्ड नहीं खुला था, और 2021 जीएसएलवी मिशन जहां हाइड्रोजन टैंक में अपर्याप्त दबाव के कारण तीसरा चरण प्रज्वलित नहीं हो सका। इसी तरह 22 जुलाई, 2019 को लॉन्च किए गए चंद्रयान-2 मिशन ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी और चंद्रमा के चारों ओर एक ऑर्बिटर स्थापित किया, लेकिन यह चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग के इच्छित लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सका। केंद्रीय राज्य मंत्री, जितेंद्र सिंह, अंतरिक्ष मिशनों की गति में वृद्धि का श्रेय मोदी सरकार को रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले, हम सीमित जनशक्ति, सीमित संसाधनों के साथ काम कर रहे थे और दूसरों को भाग लेने की अनुमति नहीं दे रहे थे, लेकिन सरकार इतनी बड़ी धनराशि नहीं दे सकती थी और इसलिए, एक तरह से, हम वास्तव में खुद को अक्षम कर रहे थे। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। प्रक्षेपण वाहनों के निर्माण के लिए उद्योग साझेदारी बढ़ाने के अलावा, इसरो ने हाल के वर्षों में, मिशनों के बीच के समय को कम करने के लिए पीएसएलवी एकीकरण सुविधा स्थापित करने जैसे बदलाव भी किए हैं।

अभिषेक बच्चन सपा के टिकट पर लड़ेंगे चुनाव ?

-वॉलीवुड एक्टर की राजनीति में एंट्री को लेकर चर्चा इन दिनों जोरों पर चल रही

लखनऊ (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के बाद अब उनके बेटे अमिताभ बच्चन भी राजनीति में कदम रख रहे हैं। चर्चा है कि वे सपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले हैं। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हैं। वहीं किस सीट पर कौन सा कैंडिडेट फिट बैठ रहा है इसको लेकर भी सारे जातीय समीकरण को देखते हुए मंथन चल रहा है। इसी बीच चर्चाओं का बाजार भी गरम है। इस बार चुनाव में बॉलिवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन भी राजनीति में कदम रखने कई लोग हैरान हैं। गौरतलब है कि अभिषेक बच्चन के पिता अमिताभ बच्चन इलाहाबाद से सांसद रह चुके हैं। वहीं उनकी मां जया बच्चन भी सपा से राज्यसभा सांसद हैं। हालांकि यह केवल सूत्रों पर आधारित है, इसे पूरी तरह से पुष्टि होनी बाकी है। अभिनेता अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश से राजनीति में कदम रखेंगे। सूत्रों की माने तो अभिषेक बच्चन इलाहाबाद सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि अभी इसे लेकर न ही सपा की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है और न ही बच्चन परिवार की ओर से किसी ने अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने को लेकर कुछ बोला है लेकिन चर्चाएं जोरों पर चल रही हैं। हाल ही में सपा मुखिया अखिलेश यादव मुम्बई दौरे पर भी गए थे। इलाहाबाद से अभिषेक बच्चन के चुनाव पर लड़ने समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि उनकी मां जया बच्चन सपा से राज्यसभा सदस्य हैं। उनका परिवार समाजवादी है और समाजवादी विचारधारा को मानने वाला है। ऐसे में अभिषेक बच्चन के चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी मुखिया अखिलेश यादव और सपा नेतृत्व को करना है। सपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगर अभिषेक बच्चन चुनाव लड़ते हैं तो अच्छा रहेगा और वो चुनाव अच्छा लड़ेंगे।

बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का कोई प्रभाव नहीं होगा: बोम्मई

हुबली (एजेंसी)। बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि ऐसी बैठकों का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है और आने वाले दिनों में ऐसी कई बैठकें हो सकती हैं, लेकिन उनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि विपक्षी दलों के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को हराने के अलावा एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है। सत्रह और 18 जुलाई को कांग्रेस द्वारा आहूत विपक्षी दलों की बैठक के लिए 24 गैर-भाजपा दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इस बैठक का उद्देश्य 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से मुकाबला करना है। बोम्मई ने कहा, ''अखिल भारतीय स्तर पर कोई मजबूत विपक्षी दल नहीं है, क्षेत्रीय दल अधिक हैं, इसलिए विपक्षी दलों का एकजुट होना और उनकी बैठकें आयोजित करने का कोई राजनीतिक अर्थ नहीं है, न ही इससे (उन्हें) कोई राजनीतिक लाभ होगा।'' यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी और भाजपा को हराने के एकमात्र इरादे से वे एकजुट हो रहे हैं, जिससे पता चलता है कि उनके पास अपनी ताकत नहीं है। उन्होंने कहा, उनके पास एकजुट होने का कोई विशेष उद्देश्य नहीं है, उनका एकमात्र इरादा मोदी को हराना है।

समाजवादी पार्टी का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है: ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ। (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बाद रविवार को दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) का किसी के साथ गठबंधन टिक नहीं सकता है और अभी बहुत से लोग सपा छोड़कर राजग में शामिल होंगे। लखनऊ में जारी एक बयान में सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा का किसी से गठबंधन टिक ही नहीं सकता है। कांग्रेस और बसपा के साथ ही सुभासपा के साथ हुए सपा के पूर्व गठबंधन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति नवासा (ससुराल की संपत्ति) पाने वाले व्यक्ति जैसी हो गई है, जो चाहता है कि गांव में सब कुछ उसी के पास रहे।

सपा ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया था, लेकिन यह ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया। ओमप्रकाश राजभर ने वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा और राज?य की 403 सीट में से छह सीट पर उनके समेत सुभासपा के उम्मीदवार विजयी हुए। राजभर चुनाव में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने के बाद सपा गठबंधन से अलग हो गये। राजभर ने कहा कि सामाजिक न्याय, देश की रक्षा-सुरक्षा और सुशासन के साथ-साथ वंचितों, शोषितों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं, किसानों, नौजवानों और हर कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए भाजपा और सुभासपा मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के सहयोगी रह चुके राजभर ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह से शनिवार को हुई मुलाकात में दोनों दलों के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है और अब उप्र में सभी 80 सीट पर राजग की जीत तय है। भाजपा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''विपक्ष में अहम (अहंकार) है, सभी खुद को बड़ा मानते हैं। इन दलों को भाजपा से सीखना चाहिए कि कैसे छोटे-छोटे दलों को जोड़कर सत्ता हासिल की जाती है। सुभासपा प्रमुख ने कहा कि 18 जुलाई को दिल्ली में राजग की बैठक में तय होगा

कि रैलियां कैसे होंगी और सीट का बंटवारा कैसे होगा। दारा सिंह चौहान के भाजपा में आने के मामले पर राजभर ने कहा कि धर्म सिंह सैनी (योगी आदित्यनाथ की पिछली सरकार के मंत्री जो सपा में चले गये थे) को भी जल्द आपके सामने लाऊंगा।

आईएमडी का अलर्ट, हिमाचल, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश

-आगामी चार दिनों तक देश के अनेक हिस्सों में मूसलाधार, जलभराव की बनेगी स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है। हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तथा मुंबई से लेकर ओडिशा तक हर जगह बारिश से हाल बेहाल हैं। इधर देश की राजधानी दिल्ली में तो यमुना का जलस्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बारिश और बाढ़ के मद्देनजर कई राज्यों में ज्यादातर स्कूल बंद हैं। मौसम विभाग ने तो अगले पांच दिनों के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना व्यक्त की है। इसके अलावा देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में भारी बारिश, तूफान और आकाशीय बिजली गिरने के साथ ही भीषण बारिश होने की चेतावनी दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसर उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 18 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है। इसके बाद ही बारिश में कमी आने की संभावना है। आईएमडी ने यह भी कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान मध्य और पूर्वी भारत में सक्रिय मानसून की स्थिति बनी रहने की संभावना है। देश के पश्चिमी क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। यह भी कहा कि कोंकण, गोवा और महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अगले पांच दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। गुजरात में 19 जुलाई को मौसम का यही मिजाज देखने को मिल सकता है।

देश की राजधानी दिल्ली में बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। यह ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद यमुना में जलस्तर के खतरे के निशान के पार जाने के कारण बाढ़ का सामना कर रही है। गौरतलब है कि 'येलो' अलर्ट मौसम की खराब स्थिति के प्रति सचेत करता है। बारिश से यमुना के जलस्तर में और वृद्धि होने की आशंका है, जो पिछले कुछ दिनों से खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक, शनिवार सुबह सात बजे यमुना का जलस्तर घटकर 207.62 मीटर पर आ गया, जो बृहस्पतिवार रात आठ बजे अपने चरम 208.66 मीटर पर था। दिल्ली में शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 85 फीसदी दर्ज की गई।

इधर हिमाचल प्रदेश में बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। मौसम विभाग के स्थानीय कार्यालय ने 15 से 17 जुलाई तक लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर राज्य के 12 जिलों में से 10 में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही, इसने भूस्खलन, अचानक बाढ़ आने, और नदियों व नालों के जलस्तर में वृद्धि का अनुमान भी जताया है। मौसम कार्यालय ने 18 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी देते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। 21 जुलाई तक राज्य में बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। यहां अब तक

284.1 मिलीमीटर(मिमी) बारिश हुई है, जो सामान्य बारिश यानी 110.4 मिलीमीटर से 157 प्रतिशत अधिक है। राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से भारी बारिश जारी है।

अमेरिका में नस्ली हमले बढ़ने से 80000 भारतीयों ने गन लाइसेंस लिए

न्यायार्क ।भारतीयों के खिलाफ अमेरिका में नस्लीय हिंसा लगातार बढ़ रही है। अमेरिका में 80000 भारत वंशी ने गन लाइसेंस लिए हैं। पहले यह संख्या लगभग 40000 थी। पिछले वर्षों में नस्लीय हिंसा की घटनाओं को देखते हुए भारतवंशियों ने बड़े पैमाने पर गन लाइसेंस लेना शुरू कर दिए हैं। अमेरिका के नेशनल फायर आर्म्स सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार गन लाइसेंस लेने वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर अब 120000 हो गई है। अमेरिका में भारतीय समुदाय को सबसे शांतिप्रिय समझा जाता है। इसके बाद भी उन्हें गन लाइसेंस लेने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

पिछले 2 साल में बढ़े नस्लीय हमले

अमेरिका में पिछले 2 सालों में नस्ली हमले बढ़ गए हैं। भारतीयों को आसान निशाना बनाया जा रहा है। यह मानकर लुटेरे लगातार हमला करते हैं। पिछले 6 महीनों में 12 भारतीयों पर हमले हो चुके हैं। कैलिफोर्निया और जॉर्जिया के स्टोर में सबसे ज्यादा हमले हो रहे हैं। इन घटनाओं को देखते हुए अमेरिका में भारतीयों के बीच दहशत बढ़ गई है। वह अपनी सुरक्षा के लिए अब गन लाइसेंस लेने का विकल्प इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय मूल के व्यक्ति की हत्या के मामले में पांच लोग दोषी साबित

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की हत्या के मामले में एक गिरोह के तीन पुरुष और दो महिला सदस्यों को दोषी पाया गया है। विशाल गोहेल (44) जनवरी में हर्टफोर्डशायर के बुशी में स्थित एक फ्लैट के भीतर अचेत अवस्था में मिले थे जिन्हें घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, गोहेल के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। ब्रिटिश मीडिया में प्रकाशित अदालती रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को सेंट एल्बंस क्राउन कोर्ट में एक जूरी को बताया गया कि गिरोह ने जाल बिछाकर गोहेल को लूटने के इरादे से उन्हें 'हनीट्रैप' में फंसाया था। बेडफोर्डशायर, कैम्ब्रिजशायर और हर्टफोर्डशायर (बीसीएच) मेजर क्राइम यूनिट के अधिकारियों ने हत्या की जांच शुरू की और इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया। जांच का नेतृत्व करने वाले अधिकारी जस्टिन जेनकिंस ने कहा, इस बेहद कठिन समय में हम विशाल के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। विशेषज्ञ अधिकारी उनके परिवार की मदद कर रहे हैं और मैं अधिकारियों से उनकी गोपनीयता का सम्मान करने के लिए कहूंगा। इस मामले में दोषी पाए गए गिरोह के सभी पांच सदस्यों को 26 सितंबर को सेंट एल्बंस क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई जाएगी, जबकि इस मामले के छठे संदिग्ध (20) को हत्या और लूट की साजिश के आरोप से बरी कर दिया गया है।

जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को खारिज किया

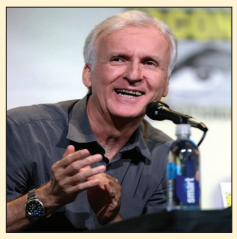

लॉस एंजिलिस। फिल्म निर्माता जेम्स कैमरून ने टाइटन पनडुब्बी हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों को शनिवार को खारिज किया। टाइटैनिक जहाज के मलबे का दीदार करने के लिए टाइटन में सवार होकर गहरे समुद्र में उतरे पांच लोगों को 18 जून को इस पनडुब्बी में विस्फोट होने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी थी। कैमरून ने 1997 में टाइटैनिक जहाज के एक बर्फीली चट्टान से

टकराने के बाद समुद्र में डूबने की घटना पर आधारित फिल्म 'टाइटैनिक' का निर्देशन किया था। उन्होंने टाइटन हादसे पर फिल्म बनाने की अटकलों की शनिवार को ट्विटर पर सार्वजनिक रूप से निंदा की। कैमरून ने लिखा, 卐मैं आमतौर पर मीडिया में प्रसारित आपत्तिजनक अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन मुझे ऐसा करना पड़ रहा है। मैं टाइटन हादसे पर फिल्म बनाने के बारे में नहीं सोच रहा हूं और न ही मैं कभी ऐसा करूंगा।卐 कैमरून (68) ने हाल ही में एक अमेरिकी अखबार से बातचीत में कहा था कि वह टाइटन पनडुब्बी और टाइटैनिक जहाज से संबंधित हादसों में मौजूद 'समानताओं से चकित' हैं। पिछले महीने, अमेरिकी तटरक्षक बल ने कहा था कि टाइटन की खोज के दौरान मिला मलबा हादसे के शिकार हुए 'टाइटैनिक जहाज के मलबे से मेल खाता है।' टाइटन में हुए विस्फोट में पनडुब्बी की मलिकाना हक वाली कंपनी ओशनगेट एक्सपीडिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) स्टॉकटन रश, शहजादा दाऊद और उनके बेटे सुलेमान दाऊद तथा हामिश हार्डिंग और पॉल-हेनरी नार्जियोलेट मारे गए थे।

कटी हुई उंगलियों का पार्सल पहुंचा फ्रांसीसी राष्ट्रपति के पास, डराने की कोशिश

पेरिस ।फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के आधिकारिक आवास पर कटी हुई उंगलियों का एक पार्सल पहुंचा है। इससे कहा जा रहा है कि किसी ने उन्हें डराने की कोशिश की है। मिली जानकारी के अनुसार के आवास पर एक पार्सल रिसीव किया गया, जिसमें कटी हुईं मानव उंगलियां थीं। पेरिस के प्रॉसिक्यूटर कार्यालय के से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में पुलिस जांच शुरू कर दी गई है। पेरिस अभियोजक के कार्यालय ने बताया कि उंगली का एक टुकड़ा, ऐसा लगता है कि यह एक उंगली का टिप है, एलिसी पैलेस को पार्सल किया गया था। पुलिस ने सोमवार को एक निर्वाचित नेता को धमकाने या डराने का अपराध' करने के मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पैकेट में मिलीं उंगलियां पार्सल भेजने वाले की ही थीं, जो मनोरोग से पीड़ित है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के लिए काम करने वाले कर्मचारियों ने सप्ताह की शुरुआत में इस भयानक घटना की सूचना दी थी। हालांकि फ्रेंच प्रेसिडेंशियल रेजिडेंस एलिसी पैलेस ने अभी तक रिपोर्ट पर कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि एलिसी पैलेस पेरिस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन का आधिकारिक घर है, जो 2017 से यहां रह रहे हैं। उस दौरान फ्रांस की राजधानी पेरिस समेत कई अन्य शहरों में उग्र प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने आगजनी और तोड़फोड़ भी की। हफ्तों तक, प्रदर्शनकारी तख्तियां लिए रहे जिन पर लिखा था, 'पुलिस ने मार डाला'। प्रदर्शनकारियों ने सैकड़ों सरकारी इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया, जबकि दंगा पुलिस अधिकारियों की प्रदर्शनकारियों के साथ जमकर झड़प हुई। इस अशांति ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन को दुखी किया। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में विभाजन को पाटने और देश को एकजुट करने के प्रयास में मंत्रियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। राष्ट्रपति मैक्रॉन ने उग्र प्रदर्शनों को कम करने में मदद करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का भी आह्वान किया।

मछली की आंतों में फंसा हुआ मिला खजाना.....कीमत करीब 44 करोड़

सैन फ्रांसिस्को ।अगर इंसान की किस्मत अच्छी हो, तब कुदरत उसके लिए न जाने कौन-कौन से रास्ते से खुशियां ले आती है। बस आपका वक्त अच्छा हो, तब आपको ऐसी-ऐसी चीजें मिल जाती हैं, जो दुनिया में दुर्लभ कही जाती हैं। ऐसा ही कुछ हुआ स्पेन में वैज्ञानिकों के एक ग्रुप के साथ, जिन्हें समंदर के किनारे मृत व्हेल की अंतड़ियों से कुछ ऐसा मिल गया, जिसने उन्हें हक्का-बक्का कर दिया। एंटोनियो फर्नांडीज रोड्रिग्ज ने जब मरी हुई व्हेल के शव का परीक्षण किया, तब उन्हें पता चला कि वहां डाइजेशन में दिक्कत होने की वजह से मरी है। इसके बाद उन्होंने उसका पेट फाड़कर अंदर देखना चाहा, तब उन्हें मछली की आंतों में फंसा हुआ ऐसा खजाना मिला, जो रातोंरात किसी को भी करोड़पति बना सकता है। रोड्रिग्ज को मछली की आंतों में फंसा 9.5 किलोग्राम का एक स्लेटी रंग का पत्थर मिला। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि ये पत्थर एम्बरग्रीस था, जिसकी कीमत बाजार में 5.4 मिलियन यानि 44 करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो सकती है। चूंकि ये पत्थर किसी आम आदमी या मछुआरे को नहीं बल्कि वैज्ञानिकों को मिला है, इसके बाद अब इसके लिए खरीदार की तलाश जारी है। संस्थान ने बताया है कि इससे मिले हुए पैसे को 2021 में ला पाल्मा पर फटे वॉल्कैनो के पीड़ितों की मदद में लगाया जाएगा। दरअसल एम्बरग्रीस कहीं बाहर से नहीं आता है, बल्कि ये व्हेल मछली की ही उल्टी होती है। ये ठोस मोम जैसा पदार्थ होता है, जो समंदर में तैरता पाया जाता है। ये जिसके भी हाथ लगता है, वहां झट से अमीर बन जाता है। दरअसल व्हेल स्क्विड और कटलफिश खाती हैं, जिनका ज्यादातर भाग उनसे पच नहीं पाता और उल्टी के तौर पर बाहर आता है।

बुडापेस्ट में एलजीबीटी समुदाय के लोगों ने तेज गरमी के बीच भी रैली निकाली।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति विक्रमसिंघे बोले- यूएस डॉलर की तरह हो भारतीय रुपए का इस्तेमाल

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा से पूर्व कहा है कि वह भारतीय रुपए का अमेरिकी डॉलर जैसा ही उपयोग होते देखना चाहते हैं। विक्रमसिंघे आर्थिक संकट का सामना कर रहे इस देश के वित्त मंत्री भी हैं और उन्होंने यह बात 'भारतीय सीईओ फोरम' को इस सप्ताह संबोधित करते हुई कही। उन्होंने कहा, ''जापान,कोरिया और चीन सहित पश्चिम एशिया ने जिस तर 75 वर्ष पहले अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि की,उसी तरह अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की बारी है।' विक्रमसिंघे का अगले सप्ताह नयी दिल्ली आने का कार्यक्रम है। राष्ट्रपति बनने के बाद यह भारत की उनकी पहली यात्रा होगी। सीईओ फोरम के अध्यक्ष टी एस प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा था कि श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में भरतीय रुपए का उपयोग बढ़ना चाहिए। विक्रमसिंघे ने कहा, 'अगर भारत (भारतीय रुपये) एक साझा मुद्रा बने तो हमें इससे कोई परेशानी नहीं है। हमें यह पता करना चाहिए कि यह कैसे किया जा सकता है। हमें बाहरी दुनिया के लिए और खुला होना चाहिए।' उन्होंने कहा, '' दुनिया बदल रही है और भारत में तेजी से विकास हो रहा है,खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में।' समाचार पत्र 'डेली मिरर' ने अपनी एक खबर में उनके हवाले से कहा कि राष्ट्रपति के अनुसार श्रीलंका को भारत से नजदीकी रखने के कारण फायदा होता है। विक्रमसिंघे देश को आर्थिक संकट से निकालने की कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है।

मूसलाधार बारिश से दक्षिण कोरिया में 21 लोगों की मौत, हजारों लोग हुए बेघर

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में इन दिनों भारी बारिश का दौर चल रहा है। यहां भूस्खलन व बारिश के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और हजारों लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। सुरक्षा कार्य में जुटे हुए अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि अभी भी 10 लोग लापता हैं और नौ अन्य घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। सबसे ज्यादा मौतें दक्षिण-पूर्वी प्रांत उत्तरी ग्योंगसांग से हुईं, जहां भूस्खलन और मकान ढहने से 16 लोगों की मौत हो गई। हालांकि अभी मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सरकारी एजेंसियां देशभर में हुई क्षति का आकलन कर रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार गोएसन बांध के ओवरफ्लो होने के कारण केंद्रीय काउंटी गोएसन के लगभग 6,400 निवासियों को निकाला गया है। बांध के पास स्थित कई निचले गांवों में जलभराव हो गया और गांवों को जोड़ने वाली सड़कें और पुल टूट गए, जिससे कुछ निवासी अपने घरों में ही फंस गए।

यहां भारी बारिश जारी रहने के कारण 13 शहरों और काउंटियों में 1,002 घरों के कुल 1,567 लोगों ने शनिवार सुबह तक अस्थायी आश्रय की मांग की थी। इनमें से 1,114 लोग सुरक्षा चिंताओं के कारण घर नहीं लौट सके। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के इकतीस मामले सामने आए, जिनमें 10 भूस्खलन और छह सड़कें नष्ट होने के मामले शामिल हैं। जबकि, निजी संपत्ति को नुकसान के 71 मामले सामने आए, जिनमें 22 बाढ़ वाले घर भी शामिल हैं। देश भर के 13 शहरों और काउंटी में बिजली ब्लैकआउट की सूचना मिली। अधिकांश स्थानों पर बिजली बहाल कर दी गई है, उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के मुंगयोंग, येओंगजू और येचिओन में 8,300 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं है। बाढ़ से फसलों को नुकसान पहुंचा है और सड़कें भी बह गईं। राष्ट्रव्यापी, 97 सड़कें बंद हैं, जबकि 19 राष्ट्रीय उद्यानों में 384 रास्ते बंद हैं।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने पीएम मोदी की तारीफों के बांधे पुल, पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' व इसरो द्वारा अपना चंद्रयान-3 मून मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद पूरी दुनिया में भारत की चर्चा हो रही है। वहीं पाकिस्तान में भी इन दिनों खुशी का माहौल है जिसकी वजह कोई स्पेस मिशन या सम्मान नहीं ढ्रक्ष्ग्न से पाकिस्तान के लिए 3 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज को मिली मंजूरी है। भारत की उपलब्धियों पर अमेरिका में रहने वाले पाकिस्तानी एक्सपर्ट व बिजनेसमैन साजिद तरार ने जहां पीएम मोदी की जमकर तारीफ की वहीं पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाई है।

पत्रकार आरजू काज़मी के साथ बातचीत में दोनों देशों के इस अंतर पर खुलकर बात करते हुए साजिद तरार ने कहा, 'नरेंद्र मोदी ने भारत को सबसे बड़ा तोहफा राष्ट्रवाद का दिया है जो पाकिस्तान में बिल्कुल नहीं है। कम से कम उनकी तरक्की से राष्ट्रवाद ही सीख लें। अगर आप कोई अविष्कार करने की काबिलियत नहीं रखते हैं तो नकल करने में कोई हर्ज नहीं है। अगर आपको भारत और मोदी के नाम से शर्म आती है तो बांग्लादेश की कॉपी कर लें।' उन्होंने कहा, 'मैं मोदी या भारत की बात इसलिए करता हूं क्योंकि वे हमारे पड़ोसी हैं। शायद उनका असर हम पर भी हो जाएं।'

अदाणी ग्रुप ने बांग्लादेश को बिजली देना शुरू किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ढाका (ईएमएस)। अदाणी ग्रुप ने बांग्लादेश को बिजली देना शुरू कर दिया है। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के पूरे लोड के साथ शुरुआत होने और इसके हैंडओवर के अवसर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात की।

गौतम अदाणी ने ट्वीट किया- '1600 मेगावाट के अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल गोड्डा पावर प्लांट के फुल लोड के साथ प्रारंभ होने और हैंडओवर पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं भारत और बांग्लादेश की समर्पित टीमों को सेल्यूट करता हूं जिन्होंने कोविड के दौर का सामना करते हुए साढ़े तीन साल के रिकॉर्ड समय में संयंत्र को चालू किया।

अदाणी पावर ने एक डेडिकेटेड ट्रांसमिशन लाइन के जरिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड को उत्पादित बिजली की आपूर्ति के लिए झारखंड के गोड्डा में 1,600 मेगावाट की क्षमता का थर्मल पावर प्लांट स्थापित किया गया है।

अदाणी पावर ने जून में कहा था कि उसका गोड्डा प्लांट पूरी तरह से चालू हो गया है। अदाणी पावर लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी अदाणी पावर झारखंड लिमिटेड ने 26 जून को झारखंड के गोड्डा जिले में अपने 2 * 800 मेगावाट के गोड्डा अल्ट्रा-सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की दूसरी यूनिट के कामर्शियल ऑपरेशन का लक्ष्य तय तारीख में हासिल कर लिया है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में यह बात कही।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि गोड्डा बिजली संयंत्र की दूसरी यूनिट के रियालबिलिटी रन रेस्ट सहित कामर्शियल आपरेशन टेस्ट बीपीडीबी और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ बांग्लादेश के अधिकारियों की मौजूदगी में 25 जून को पूरा किया गया था।

बिजली संयंत्र की 800 मेगावाट क्षमता वाली पहली इकाई ने इस साल अप्रैल में अपना सीओडी हासिल किया था। कंपनी ने कहा था कि गोड्डा यूएससीटीपीपी से बांग्लादेश के ग्रिड को बिजली आपूर्ति से बांग्लादेश में ऊर्जा सुरक्षा और बढ़ेगी।

गौतम अदाणी ने पिछले साल सितंबर में भारत यात्रा के दौरान बांग्लादेश की प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी।

भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना को फिर से शुरू करने की कोशिश : जयशंकर

बैंकॉक (एजेंसी)। ।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि म्यांमा की स्थिति के कारण भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग एक बहुत कठिन परियोजना रही है और इसे फिर से शुरू करने के तरीके ढूंढना सरकार की प्राथमिकता है। जयशंकर मेकोंग गंगा सहयोग (एमजीसी) तंत्र के विदेश मंत्रियों की 12वीं बैठक में भाग लेने और बिम्सटेक (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल) के विदेश मंत्रियों की सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। जयशंकर ने यहां बैंकॉक पहुंचने के तुरंत बाद भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए थाईलैंड और भारत के बीच कनेक्टिविटी (संपर्क) के बारे में बात की।

जयशंकर ने कहा, ''आज हमारे सामने असल चुनौती, जिस पर हम काम कर रहे हैं, वह यह है कि हम थाईलैंड के बीच सड़क संपर्क कैसे बनाएं। हमारे पास पूर्वोत्तर भारत से होकर गुजरने वाली यह परियोजना है, यदि हम म्यांमा से गुजरने वाली एक सड़क बनाते हैं और वह सड़क थाईलैंड की ओर से बनाई जाने वाली सड़क से जुड़ती है।'' उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क से माल की आवाजाही, लोगों की आवाजाही में भारी बदलाव आएगा। विदेश मंत्री ने कहा, '' लेकिन, यह बहुत कठिन परियोजना रही है। मुख्य रूप से म्यांमा की स्थिति के कारण यह एक बहुत ही कठिन परियोजना रही है।

यह आज हमारी प्राथमिकताओं में से एक है कि इस परियोजना को कैसे फिर से शुरू किया जाए, इसे कैसे चालू किया जाए और इसे कैसे बनाया जाए क्योंकि परियोजना के बड़े हिस्से का निर्माण किया जा चुका है।'' गौरतलब है कि भारत, थाईलैंड और म्यांमा लगभग 1,400 किलोमीटर लंबे राजमार्ग पर काम कर रहे हैं, जो तीनों देशों को जमीन के जरिए दक्षिण-पूर्वी एशिया से जोड़ेगा और तीनों देशों के बीच व्यापार, कारोबार, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन संबंधों को बढ़ावा देगा। भारत-म्यांमा-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना का 70 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है।

कोसोवो संसद में हाथापाई, विपक्षी नेता ने प्रधानमंत्री पर किया हमला

इंटरनेशनल डेस्क : यूरोपीय देश कोसोवो की संसद में हाथापाई हंगामे का वीडियो सामनवे आया है ।वीडियो में देखा जा सकता है कि भाषण के दौरान विपक्षी सांसद ने प्रधानमंत्री एल्बिन कुर्ती पर पानी फेंक दिया। दरअसल, क्क्रूकुर्ती देश के उत्तरी हिस्से में जातीय सर्बों के साथ तनाव कम करने के लिए सरकार की तरफ से किए जा रहे उपायों के बारे में बता रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार संसद में भाषण के दौरान कोसोवो की डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद मर्गिम लुश्ताकु उनके पास गए और पानी मुंह पर पानी फेंक दिया जिससे विवाद शुरू हो गया।

सीमा हैदर को लेकर पाक पुलिस को भी शक, बोली- मामला इतना सीधा नहीं जितना दिख रहा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूच की रहने वाली महिला सीमा गुलाम हैदर जो चार बच्चों के साथ चोरी-छिपे भारत चली गई, का उसके परिवार और पड़ोसियों ने बहिष्कार कर दिया है। वह भारत में, एक हिंदू व्यक्ति के साथ रहने गई है, जिससे एक ऑनलाइन गेम के दौरान उसकी दोस्ती हुई थी। सीमा और सचिन मीणा 2019 में पबजी खेलने के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए और इसके बाद दो चिर-प्रतिद्वंद्वी देशों में 1,300 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर रह रहे इन दोनों के बीच एक नाटकीय प्रेम कहानी शुरू हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, सीमा (30) और सचिन (22) दिल्ली के समीप ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा इलाके में रहते हैं, जहां सचिन किराने की दुकान चलाता है।सीमा को बिना वीजा के नेपाल के जरिए अपने चार बच्चों के साथ अवैध तरीके से भारत में घुसने को लेकर चार जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि सचिन को अवैध शरणार्थी को पनाह देने के आरोप में जेल भेज दिया गया था। हाल में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया।

सीमा के कई झूठ आए सामने

सीमा के बच्चों की उम्र सात साल से कम है। सीमा के पड़ोसियों और एक रिश्तेदार ने कहा कि वे चाहते हैं कि सीमा पाकिस्तान न लौटे। सीमा भारत आने से पहले अपने बच्चों के साथ पिछले तीन साल से पाकिस्तान में किराये के एक मकान में रह रही थी। उसके मकान मालिक के 16 वर्षीय बेटे ने कहा, ''उसे अपने बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजना चाहिए। वह वहां रह सकती है। अब वह मुस्लिम भी नहीं रही।%% उसका घर गुलिस्तां-ए-जौहर में कच्ची आबादी के भिट्टैयाबाद में है जो एक संकरी गली में स्थित है और तीन कमरों के मकान में कोई रंग-रोगन नहीं है। यह बात भी झूठी साबित हुई है कि सऊदी अरब में काम करने वाले उसके पति गुलाम हैदर ने 12 लाख रुपये में यह घर उसके लिए खरीदा था। मकान मालिक के बेटे नूर मुहम्मद ने कहा, ''नहीं, वह तीन साल से अपने बच्चों के साथ हमारे यहां किराये पर रह रही थी। वह अपने बच्चों के साथ अकेले रहती थी। उसके ससुर यहां से कुछ दूरी पर रहते हैं।' सीमा और गुलाम हैदर 10 साल पहले भागकर कराची आ गए थे और उन्होंने अपने माता-पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर निकाह कर लिया था।

पड़ोसी-रिश्तेदार कह रहे ऐसी बातें

सीमा के पड़ोसी जमाल जखरानी ने कहा, ''हमने उसे टैक्सी बुलाते और एक दिन अपने बच्चों तथा कुछ बैग के साथ जाते हुए देखा था। हमें लगा कि वह जकोबाबाद में अपने गांव जा रही है लेकिन करीब एक महीने बाद जब हमने उसकी हरकत के बारे में टीवी चैनल पर खबर देखी तो हम दंग रह गए।' इस संकरी गली में महिलाओं से बात करने की कोशिशें नाकाम हो गयी क्योंकि इस इलाके में ज्यादातर ग्रामीण इलाकों के पश्तून, सिंधी और सराइकी लोग रहते हैं और महिलाओं को अजनबियों से बात करने की अनुमति नहीं दी जाती। जमाल भी उसी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं जिससे सीमा और हैदर का संबंध है और उनका मानना है कि अब अच्छा होगा कि सीमा भारत में ही रहे। जमाल ने कहा, ''अगर वह कभी वापस आने का सोचती भी है तो बिरादरी के लोग उसे माफ नहीं करेंगे और दूसरी बात यह कि एक हिंदू के साथ रहने के उसके फैसले से सभी खफा हैं।'

मिशन चंद्रयान -3 सफलता की उम्मीद ?

प्रभुनाथ शुक्ल

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में सबसे कम खर्च में हमारे वैज्ञानिकों ने बुलंदी का झंडा गाड़ा है। हम चाँद को जीतने निकल पड़े हैं। कभी हम साइकिल पर मिसाइल रखकर लांचिंग पैड तक जाते थे, लेकिन आज हमारे पास अत्याधुनिक तकनीकी उपलब्ध है। जिसका लोहा अमेरिका और दुनिया के तकनीकी एवं साधन संपन्न देश मानते हैं। इसरो ने 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान -3 का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर दिया। यान पृथ्वी की कक्षा में स्थापित भी हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रक्षेपण की सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरिक्ष में चंद्रयान-3 एक नए चैप्टर की शुरूआत है। अंतरिक्ष में बढ़ते कदम की वजह से चन्द्रमा के साथ-साथ अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस मिशन का उपयोग हम विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। जिसकी वजह कृषि एवं दूसरे क्षेत्र में बड़ा फायदा मिलेगा। हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है।

चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक जमीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साबित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है।

सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो मिशन चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी में जुटा है। हमारा अभियान अगर असफल हो गया तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। जिसकी पहचान चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करने वाले देश के रूप में होगी। निश्चित रूप से हमारे वैज्ञानिकों को इसमें सफलता मिलेगी। यह चंद्रयान -2 मिशन को आगे

बढ़ाने की कोशिश है। क्योंकि यह अभियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बाद भी कक्षा में स्थापित होने के पहले असफल हो गया था। लिहाजा उस अभियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अभियान सफल होगा और भारत का नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। चंद्रमा पर सफल और सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब तक सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी इस बिरादरी में शामिल हो जाएगा। देश के लिए यह गर्व और गौरव का विषय होगा।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के अनुसार यह मिशन पूरी तरह चंद्रयान- 2 की तरह ही होगा। अभियान पर करीब 615 करोड़ का खर्च आया है। यह 50 दिन बाद लैंड करेगा। इस यान में भी एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। यह चंद्रयान -2 के मुकाबले इसका लैंडर 250 किलोग्राम अधिक वजनी होगा और 40 गुना अधिक स्थान का घेराव करेगा। यान की गति प्रतिघंटा 37 हजार किलोमीटर वैज्ञानिकों ने उस तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर लिया है जिसकी वजह से चंद्रयान-2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद भी फेल हो गया था। इस बार अंतरिक्ष संगठन की पूरी कोशिश है कि यह पूरी तरह सफल हो। 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से इस मिशन का आगाज किया जाएगा। चंद्रयान-3 को 01 अगस्त तक यह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। जबकि 23 अगस्त तक सब ठीक रहा तो चंद्रतल पर इसे सुरक्षित स्थापित किया जाएगा। इस मिशन का यह सबसे चुनौतीपूर्ण मसला है। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चुनौती है। चंद्रयान-2 मिशन पर 978 करोड़ रुपए का खर्च आया था। 50 दिन से कम समय में 30844 लाख किलोमीटर से अधिक दूरी तय की थीं। लेकिन अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के भरपूर प्रयास के बावजूद भी मिशन फेल हो गया था। अभियान के अंतिम क्षणों में विक्रम लैंडर में दिक्कत होने से झटका लगा था। जबकि चंद्रतल की दूरी बेहद करीब थीं। चंद्रयान-3 की अगर सफल और सुरक्षित लैंडिंग हो जाती है तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। चंद्रमा की कक्षा में सफल लैंडिंग के पूर्व रूस, अमेरिका भी कई बार विफल हो चुका था। लेकिन चीन अकेला ऐसा देश था जिसने इस मिशन को पहली बार में ही सफलता हासिल कर लिया था।

भारत चार साल बाद पुनः अधूरे मिशन को कामयाब करने में जुटा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाएगी। यह अभियान अंतरिक्ष के युग में एक बड़ी कामयाबी साबित होगा। इसरो की तरफ से चंद्रयान -3 के प्रक्षेपण की सूचना के बाद से दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं। अमेरिका, जैसे देश के अलावा चीन इस पर विशेष रूप से नजर गड़ाए। भारत की सफलता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में जहां इन देशों के लिए चुनौती साबित होगी। वही अभी तक अंतरिक्ष में अपना आधिपत्य समझने वाले हमारी ताकत को समझने लगेंगे। इससे बड़ी उपलब्धि हमारे लिए और क्या हो सकती है।

दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है। यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती तागत का परिणाम है।

अभी हमारा चंद्रयान पृथ्वी की कक्षा में है। लेकिन उसकी सबसे बड़ी चुनौती चंद्रमा की सतह पर सफल स्थापित होने की है। क्योंकि हमारा मिशन चंद्रयान- 2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद विफल हो गया था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि विफलताओं से हम हार जाएं। वैज्ञानिकों ने उन तकनीकी खामियों को दूर कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रयान -3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर स्थापित करने में कामयाब होंगे।

(वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समीक्षक)

संपादकीय

ड्रेन नेटवर्क संकटग्रस्त

राजधानी दिल्ली में यमुना नदी अपने रौद्र रूप में है। नदी के जलस्तर ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले कुछ वर्षों से दौरान संज्ञान लिया जा रहा है कि भारत के महानगरों की ड्रेनेज व्यवस्था अनियमित जलवायु परिवर्तन के सामने बेबस और लाचार है। यमुना में आई इस बाढ़ से समझा जा सकता है कि यहां की ड्रेनेज व्यवस्था संकटग्रस्त है। अभी दिल्ली के लोग बाढ़ के कारण जिस तरह की कठिनाइों का सामना कर रहे हैं, वह मानव-निर्मित है। सरकारी प्रबंधन की विफलता है। यमुना के किनारे अवैध निर्माण भी बड़ा कारण है, जिसने प्राकृतिक जल निकासी के मार्गों को अवरोद्धकर दिया है। मुंबई और चेन्नई की तुलना में दिल्ली में बरसात कम होती है, लेकिन हर वर्ष हल्की बरसात के बाद सड़कों पर जलजमाव हो जाता है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने स्वीकार किया है कि मानसून की बरसात से पहले नालों की सफाई ठीक से नहीं की जाती। यह भी कहा कि 2014 के बाद दिल्ली की आबादी 50 लाख बढ़रूगई है। इसका दबाव नागरिक सुविधाओं पर पड़ना लाजिमी है। बढ़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए सीवर लाइनों और जल निकासी के लिए योजनाएं नहीं बनाई गई। इसलिए जल भराव की समस्या पैदा होती है। सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों को इस बाढ़ से सबक लेते हुए दिल्ली में ड्रेनेज व्यवस्था को ठीक करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। दिल्ली का जल निकासी मास्टर प्लान 1976 में बना था। 2016 में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आईआईटी, दिल्ली को इस महानगर की जल निकासी प्रणाली का अध्ययन करने के लिए कहा था। लेकिन यह अध्ययन हुआ या नहीं, अगर हुआ तो इसकी रिपोर्ट कहां है, इसकी जानकारी नहीं है। अनियमित और अंधाधुंध विकास ने नालों और जलाशयों को भर दिया है। ऐसे में पानी बहेगा कैसे। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों समेत देश के ज्यादातर शहर जल निकासी की समस्या से जूझ रहे हैं। देश में चंड़ीगढ़ को सबसे नियोजित शहर बताया जाता है, लेकिन यहां भी जलसमाधि लिए हए सड़के दिखाई दीं। सवाल उठता है कि शहर की योजना बनाते समय अच्छी और आधुनिक जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता। महानगरों और शहरों में बढ़ती आबादी के अनुरूप जल निकासी की व्यवस्था को फिर से ड़िजायन करने कर जरूरत है।

कटाक्ष/ कबीरदास

अब रफाल-2...!

फ्रांस वालों ने क्या हद ही नहीं कर दी। बताइए! वही फ्रांस और वही पेरिस, पर शहर के एक सिरे पर तो मोदी जी के पांव रखने को लाल कालीन बिछवाए जा रहे थे और दूसरे छोर पर मणिपुर के बहाने यूरोपीय संसद में, डेमोक्रेसी के पप्पा जी को डेमोक्रेसी के ही पाठ पढ़ाए जा रहे थे। फिर भी, विश्व गुरू की शान में गुस्ताखी तो हो ही गई। घर बुलाकर ऐसे भी कोई बेइज्जत करता है, भला! और वह भी तब जबकि अगर मोदी जी के राज में दो महीने से मणिपुर जल रहा है, तो इसी बीच पांच-छह दिन तो पेरिस भी जलता ही रहा था, प्रदर्शनों से। मैक्रॉन की कमीजड्ढ मोदी जी के कुतक्कसे ज्यादा सफेद थोड़े ही है।

फिर बात अकेले फ्रांस की थोड़े ही है। पिछले ही महीने अमेरिका गए थे, तो व्हाइट हाउस में बुलाकर भाई लोगों ने, आठ-नौ साल में पहली बार मोदी जी से धर्मनिरपेक्षता वगैरह पर सीधा सवाल करवा दिया था। और अब फ्रांसीसी भी! ऐसे ही चला तो पता नहीं अगले चुनाव से पहले ही मोदी जी की शान को न जाने किस-किस की गुस्ताखी देखनी पड़े। बाहर वालों को तो कुछ ले-देकर पटा लें तो बात दूसरी है, वर्ना न तो ईडी-सीबीआई वगैरह भेजकर उनका मुंह बंद कराया जा सकता है, और न राहुल गांधी की तरह मानहानि के लिए संसद-वंसद से बंदों का पत्ता ही कटवाया जा सकता है। उस पर फ्रांसीसी तो अमेरिका वालों की तरह एक ही सवाल उछलवाने पर भी नहीं रुके। कहां तो मोदी जी रफाल सौदे के स्वीक्वल का मूहर्त करने जा रहे थे और कहां फ्रांस की एक अदालत ने उनकी सरकार को चिट्ठी भेजकर, रफाल पार्ट-1 में घोटाले के आरोपों की जांच में, सहयोग की मांग कर दी। कहते हैं कि जैसे ताली एक हाथ से नहीं बजती है, वैसे ही सौदे में घोटाले में दो पक्ष जरूर लगते हैं। आप भी अपनी तरफ से घोटाले से पर्दा उठाओ! दो हाथ की बात आ गई, सो यह कहकर पीछा भी नहीं छुडक्ष सकते कि रफाल सौदा, हमारा निजी मामला है!

तो अब रफाल-2 माने, घोटाला-2 का शोर! चलिए, संसद के मानसून सत्र में मणिपुर पर चर्चा न होने पाए, इसका इंतजाम तो हो गया! वक्त गलत थोड़े ही रहता है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवसः आशा और उम्मीद का प्रतीक होता है न्याय

रमेश सर्राफ धमोरा

न्याय शब्द एक आशा और उम्मीद का प्रतीक है। जब किसी को लगता है कि उसकी बात अच्छी तरह सुनी जाएगी तथा उन्हें अपनी बात कहने का पूरा अवसर मिलेगा वह न्याय है। न्याय शब्द एक नई रोशनी लेकर आता है। व्यक्ति के मन में एक उम्मीद जगाता है कि उनकी बात को पूरी तरह सुनकर ही निर्णय किया जाएगा। न्याय एक बहुत ही सम्मानित वह संतुष्टि प्रदान करने वाला शब्द है। आज भी जब दो व्यक्तियों के बीच में झगड़ा होता है तो दोनों एक दूसरे से कहते हैं कोर्ट में आ जाना फैसला हो जाएगा। यह लोगों की न्याय के प्रति आस्था का एक जीता जागता उदाहरण है।

न्याय पाना हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार होता है। कोई भी सरकार या व्यवस्था तभी सफल मानी जाती है। जिसमें हर व्यक्ति को निष्पक्ष रुप से न्याय मिल सकें। हमारे देश में तो सदियों से न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है। राजा महाराजाओं के जमाने में भी लोगों के साथ न्याय किया जाता था। जिनके उदाहरण हम आज भी देते हैं। भारत के महान सम्राट राजा विक्रमादित्य की न्याय प्रणाली की आज भी हर जगह चर्चा और सराहना होती है।

हमारा देश जब स्वतंत्र हुआ तो संविधान के निमार्ताओं ने न्यायपालिका को कार्यपालिका और विधायिका से अलग रखा। न्याय के लिए सशक्त कानून बनाए गए थे। देश के लोगों को सही व निष्पक्ष न्याय मिल सके इसके लिए लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की स्थापना की गई थी। जो आज भी न्यायिक प्रक्रिया में संलग्न है। हमारे देश में न्यायपालिका की स्वतंत्रता का उदाहरण श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पद के अयोग्य ठहरा दिया जाना था। इससे अधिक न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मजबूती कहां देखने को मिल सकती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून के शासन के तहत अदालतों को न्याय एवं अन्याय में फर्क करने का अधिकार हासिल हैं। सही क्या है तथा गलत क्या है यह अदालत विधान की पुस्तकों के आधार पर तय करती हैं। आज लम्बित मामलों की संख्या को देखकर कहा जा सकता है इंसाफ चाहने वाले पीड़ित लोगों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही हैं। हमारे देश की विधायी व्यवस्था में न्याय की शीर्षस्थ संस्था न्यायालय हैं।

विश्व न्याय दिवस अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय की उभरती प्रणाली को मान्यता देने के प्रयास के तहत 17 जुलाई को दुनिया भर में मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है। हर साल दुनिया भर के लोग इस दिन का उपयोग अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए करते हैं। यह दुनिया में आधुनिक न्यायालय प्रणालियों की स्थापना का भी स्मरण कराता है। यह दिन मौलिक मानवाधिकारों की वकालत और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

अंतर्राष्ट्रीय न्याय के लिए विश्व दिवस का उद्देश्य आईसीसी के प्रयासों की सराहना करना और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय को बढ़ावा देने के लिए सभी को एकजुट करना है। 17 जुलाई 1998 को 120 देशों ने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रोम संविधि नामक एक संधि पर हस्ताक्षर करने के लिए एक साथ आए थे। रोम संविधि पर हस्ताक्षर करने का दिन मनाने के लिए विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस तब से हर साल मनाया जाता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय या आईसीसी विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस में शामिल एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण है। यह न्यायालय सबसे गंभीर अंतरराष्ट्रीय अपराधों वाले व्यक्तियों का विश्लेषण करता है और उन पर आरोप लगाता है। इनमें नस्लीय हत्याएं, युद्ध के दौरान अपराध, मानवता के अपराध और आक्रामकता के अपराध शामिल हो सकते हैं। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों का विकल्प नहीं हो सकता है लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच नहीं कर सकता है।

हमें बहुत से लोगों से अक्सर यह सवाल सुनने को मिलता है कि न्याय कहां मिलता हैं। इस प्रश्न का होना भी यह बताता है कि आज भी आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिल पा रहा हैं। न्याय के बारे में एक पुरानी अंग्रेजी कहावत है कि न्याय में देरी करना न्याय को नकारना है और न्याय में जल्दबाजी करना न्याय को दफनाना है। यदि इस कहावत को हम भारतीय न्याय व्यवस्था के परिपेक्ष्य में देखे तो पाएगे कि इसका पहला भाग पूर्णतः सत्य प्रतीत होता हैं। सीमित संख्या में हमारे जज और मजिस्ट्रेट मुकदमों के बोझ तले दबे प्रतीत होते हैं। एक मामूली विवाद कई सालों तक चलता रहता है तथा पीड़ित को दशकों तक न्याय का इतजार करना पड़ता हैं। यही वजह है कि लोगों में न्याय के प्रति गहरे असंतोष के भाव हैं। वे अपने साथ हुए अन्याय के विरुद्ध इसलिए कोर्ट नहीं जाते क्योंकि उनके यह भरोसा नहीं रहा कि न्याय उसके लिए मददगार होगा।

आज भी न्यायपालिका परेशान लोगों के लिए सांत्वना का माध्यम है। निराश लोगों के लिए आशा की किरण है। गलत काम करने वाले लोगों के लिए भय का कारण है तथा कानून का पालन करने वाले लोगों को राहत देती है। यह बुद्धिमान और संवेदनशील लोगों के लिए एक घर के समान है। एक ऐसी शरण स्थली है जहां गरीब और अमीर दोनों को ही आसानी से न्याय मिलता है। न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठने वाले लोगों के लिए यह एक सम्मान और गर्व का स्थान होता है। परन्तु आज के समय में गरीब लोगों की न्यायालय में पहुंच बहुत कम हो गयी है। आज स्थिति यह हो चुकी है कि धूर्त लोग न्यायालयों का दुरूपयोग समाज के सम्मानित लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में करने लगे हैं। वे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सच्चा या झूठा मुकदमा दायर कर देते हैं और मुकदमा झेलने वाला व्यक्ति सारा जीवन स्वंय को निर्दोष सिद्ध करने में लगा देता है।

संविधान ने न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी अदालतों पर डाल दी है। वे ही न्याय के एकमात्र एवं सर्वोपरी स्त्रोत माने जाते हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में उच्च न्यायालय एक मुकदमें का निर्णय सुनाने में लगभग चार वर्ष से अधिक का समय लेते हैं। उच्च न्यायालय से निम्न स्तरीय अदालतों का हाल तो इससे कही बुरा हैं। जिला कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक चलने वाले एक मुकदमें का अंतिम फैसला 7 से 10 साल में आता हैं। लोगों का मानना है कि भारत की न्याय प्रणाली में अधिक समय खर्च होने का मूल कारण मामलों की अधिकता हैं। लेकिन असल समस्या है मामलों का शीघ्र निपटान न हो पाना। केवल यह कहकर कि हमारे न्यायिक तन्त्र में खामियां बताकर उसे कोसते रहना उचित नहीं हैं।

सरहद पार सीमा की प्रेमकथा में उलझी जांच एजेंसियां

पाकिस्तानी महिला सीमा गुलाम हैदर और दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कस्बे के निवासी सचिन मीणा की प्रेम कहानी के चर्चे इस वक्त प्रत्येक इंसान की जुबान पर है। मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियों में सिर्फ यही सब कुछ चल रहा है। रबूपुरा में लोगों का तांता लगा हुआ, भीड़ इस कदर बढ़ रही है जिसे नियंत्रित करने को पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। सीमा के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिए जांच एजेंसियों को ऊपरी आदेश मिले हुए, इसलिए सादा वर्दी में कई दर्जन डेरा डाले हुए हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार से लेकर स्थानीय शासन-प्रशासन की भी फिल्डिंग लगी हुई। दरअसल, ये प्रेम कहानी अब दूसरा मोड़ ले चुकी है। प्रशासन को इस कहानी के पीछे कोई साजिश दिखती है। तभी, सीमा से दो मर्तबा विभिन्न जांच एजेंसियों ने अभी तक पूछताछ की है। हालांकि अभी ऐसा कुछ हाथ लगा नहीं, जिससे साबित हो कि सीमा वास्तव में पाकिस्तान जासूस है। साधारण इंसान की नजर से देखें तो पाकिस्तान का अगर कोई बेजुबान जानवर भी इस ओर आ जाए, तो उसे जितना प्यार करेंगे, उतना ही शक करेंगे। सीमा के साथ भी कमोबेश कुछ ऐसा ही हो रहा है।

बहरहाल, सीमा अपने प्रेमी सचिन के साथ ऑफिशियल शादी कर चुकी है नेपाल के किसी मंदिर में। अब वो उसके साथ यहीं भारत में ताउम्र जिंदगी बिताना चाहती है। लेकिन इसके साथ वह कानूनी पेचीदगी में भी फंसती जा रही है। फंसना लाजमी है क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान से भारत आने का जो रास्ता इख्तियार किया है, वह घोर गैरकानूनी है। उसने अवैध रूप से एक नहीं, बल्कि तीन-तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को पार किया। कोई अन्य देश होता, जहां से सीमा आई होती, तो इतना बखेड़ा खड़ा नहीं होता। लेकिन बात पाकिस्तान की है। वहां के परिंदे से भी दोनों ओर नफरत की जाती है, शक की नजरों से देखा जाता है। सीमा हैदर के इस तरह हिंदुस्तान पहुंचने से कई सवाल उठ रहे हैं। सवाल उठने भी चाहिए, दोनों मुल्कों के रिश्ते इस वक्त बेहद तनावपूर्ण स्थिति में हैं। सालों बीत गए बातचीत बंद हुए। राजनीति, व्यापारिक, आपसी संबंध, एक-दूसरे के देशों में आने-जाने में तकरीबन प्रतिबंध ही है। ऐसे में अगर कोई उन बंदिशों को तोड़कर पहुंचे तो शक होना लाजमी है।

हिंदुस्तान आकर सीमा हैदर हर वो कदम उठा रही है जिससे यहां के लोग भावनात्मक तौर पर उसके प्रति प्यार और सहानुभूति दिखाएं। उसने सबसे पहले हिंदू धर्म अपनाया, जिसके लिए उस पर न किसी ने प्रेशर डाला गया और न किसी ने कहा। अपने गले में राधे-राधे का पट्टा पहनना, हनुमान चालीसा पढ़ना, यहां के तौर-तरीकों में खुद को तेजी से रमाना सबकुछ उसने आरंभ कर दिया। पाकिस्तान के खिलाफ वह मुखर होकर बोल रही है। बताती है कि वहां कैसे हिंदुओं के साथ अत्याचार होता है। हालांकि ये सच्चाई तो जगजाहिर है। उनके ये बयान सुनकर पाकिस्तानी लोग काफी गुस्से में हैं। गुस्से का असर दिखना भी शुरू हो गया है। वहां के एक डाकू ने फरमान जारी कर दिया है कि सीमा तुरंत पाकिस्तान आएं, वरना उसकी सजा वो हिंदुस्तान को देंगे। दो दिनों से वह लगातार सोशल मीडिया के जरिए हिंदुस्तान को धमका रहा है। निश्चित रूप से सीमा के यहां पहुंचने से दोनों देशों के दरम्यान रिश्ते और खराब होने की संभावना बढ़ गई है। हालांकि अभी तक अधिकारिक तौर पर दोनों देशों की सरकारों ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

फिलहाल बड़ा सवाल अब ये उठने लगा है कि खुदा-ना-खास्ता, अगर सीमा हैदर पाकिस्तान की जासूस निकली तो इसके पीछे भारतीय खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही मानी जाएगी। खुफिया एजेंसियों को छोड़ो, स्थानीय पुलिस और राज्य सरकार को भी भनक नहीं हुई। भेद करीब पचास दिनों बाद तब खुला जब सीमा-सचिन कोर्ट मैरिज करने दादरी स्थिति सूरजपुर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट में वकील ने जब दस्तावेज मांगे तो वकील को सीमा के पाकिस्तान होने का पता चला, उसके बाद वो सन्न रह गए। उन्होंने तुरंत स्थानीय थाने में इस बात की सूचना दी, सूचना पर पुलिस आई दोनों को थाने ले गई। करीब चौबीस घंटे दोनों को हिरासत में रखा, पूछताछ करके छोड़ दिया। फिलहाल मामला वहीं शांत हो गया था। लेकिन जब ये अनोखी प्रेम कहानी मीडिया की सुर्खियां बनीं तो मानो हंगामा ही कट गया। सभी चैनलों पर बीते चार-पांच दिनों से उन्हीं की प्रेम कहानी के किस्से सुनाए और बताए जा रहे हैं। सीमा की अद्भुत प्रेम कहानी अब सूबे के मुख्यमंत्री कार्यालय तक जा पहुंची है। उसके बाद सुरक्षा एजेंसियां, लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग फिर हरकत में आ गई। अब दोबारा से कड़ाई से जांच पड़ताल हो रही है। लेकिन अभी तक निकला कुछ भी नहीं। सीमा पढ़ी-लिखी तो कोई खास नहीं है। पर, उसके बात करने के लहजे, हिंदी-सिंधी-अंग्रेजी और उर्दू बोलना कान खड़े करते हैं। मात्र पांचवीं जमात पढ़ी ये औरत अच्छे से कम्पयूटर चलाती है, इंटरनेट का ज्ञान रखती है। जबकि, कराची के जिस गांव में रहती थी, वहां दिन में बमुश्किल पांच-छह घंटे की बिजली आती है। इसके अलावा शक ये भी होता है कि जिसकी गोदी में चार-चार अबोध बच्चे हों, उसे भला पबजी, इंटरनेट व सोशल मीडिया के लिए समय कहां से मिलेगा। लेकिन सीमा इन सबसे में निपुण है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों, लोकल इंटेलिजेंस और पुलिसिंग बीट के लिए सीमा की कहानी अब किसी भयंकर सिरदर्द से कम नहीं।

- डॉ. रमेश ठाकुर

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**
श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त :** ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान :** शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र :** दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ॐ नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ॐ ह्रौं जू स:। ॐ भू: भुव: स्व:। ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ॐ। स: जू ह्रौं ॐ, है।
- **शिव व्रत और त्योहार :** सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक :** भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।

- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**
शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**
दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**
शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**
शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**
वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

किसी की भावना आहत नहीं होगी मैं रामायण पर बनाऊँगा ऐसी फिल्म

दंगल और छिछोरे के बाद अपनी अगली फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में चल रहे निर्देशक नितेश तिवारी हिंदू महाकाव्य रामायण पर फिल्म बनाने जा रहे हैं। फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद अब नितेश तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि रामायण पर बनाई उनकी फिल्म से किसी की भी धार्मिक भावनाएं आहत नहीं होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के लिए उन्होंने राम-सिया के कास्ट के तौर पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को लीड रोल में चुना है। हालांकि, डायरेक्टर की तरफ से अब तक ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। डायरेक्टर ने बताया कि बीते दिनों ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद ही उन्होंने ऐसे समय में रामायण पर फिल्म बनाने के फैसले को क्यों नहीं टाला। साथ ही डायरेक्टर ने ये फिल्म में राम-सिया ले रोल में रणबीर-आलिया को कास्ट करने को लेकर भी बात की। जब नितेश तिवारी से ये पूछा गया कि क्या उन्होंने आदिपुरुष पर हुई कॉन्ट्रोवर्सी के बाद इस प्रोजेक्ट से पीछे हटने या कुछ दिनों के लिए इसे टाल देने के बारे में नहीं सोचा, तो उन्होंने कहा- मेरा सवाल बिल्कुल सिंपल है। जो कंटेंट मैं क्रिएट करता हूं, और लोगों के साथ मैं भी तो उसका कंज्यूमर हूं। इस वजह से मैं इस बात को लेकर बिल्कुल कॉन्फिडेंट हूं कि मैं जो फिल्म बनाऊंगा वो किसी की भावनाओं को चोट नहीं पहुंचाएगी। मुझे पता है कि मैं कंज्यूमर के तौर पर किस तरह का कंटेंट देखना चाहता हूं। फिल्म की कास्ट पर रणबीर-आलिया का नाम फाइनल किए जाने को लेकर अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। नितेश तिवारी ने कहा कि वो कास्ट को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर देंगे। डायरेक्टर ने रावण के रोल में चॉकलेट एक्टर यश उर्फ नवीन कुमार गौड़ा को चुना था। हालांकि, यश ने नेगेटिव रोल करने से मना कर दिया। इससे पहले ऋतिक रोशन को रावण के रोल में कास्ट किए जाने की बात भी सामने आ रही थी, लेकिन प्रोजेक्ट में हो रही देरी की वजह से ऋतिक रोशन ने भी इस रोल के लिए मना कर दिया था।

अधूरा को अपने सेंसटिव थीम के लिए सोशल मीडिया पर मिला खूब सारा प्यार और सरहाना

हाल ही में प्राइम वीडियो और एम्मे एंटरटेनमेंट ने अपनी पहली हिंदी हॉरर सीरीज़ अधूरा लॉन्च की है। इस सीरीज के स्ट्रीम होते ही क्रिटिक्स और मीडिया रिव्यूअर्स ने इसकी सस्पेंसफुल मिस्ट्री, दिलचस्प स्क्रीनप्ले की सराहना की, जिसमें डरावनी कहानी में कुछ अहम मुद्दों को बुनने के साथ-साथ विभिन्न और दिलचस्प तत्व शामिल हैं। और अब, दर्शक भी अपने सोशल मीडिया पेज पर विभिन्न किरदारों और स्थितियों के जरिए बुलिइंग और होमोफोबिया को छूने के लिए बहुत सारा प्यार और सराहना साझा कर रहे हैं। बुलिइंग के पहलुओं और युवा दिमागों पर इसके प्रभाव को उजागर करने और होमोफोबिया को संबोधित करने के लिए अधूरा ने दर्शकों के साथ सही तालमेल बिठाया है। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज को लेकर दर्शक काफी बातें कर रहें है।

एक साल के ब्रेक पर जाने से पहले सामंथा ने पूरी की सिटाडेल की शूटिंग

पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी बीमारी के चलते फिल्मों से तकरीबन एक साल का ब्रेक ले रही है। उन्होंने सिटाडेल के भारतीय रूपांतरण की शूटिंग पूरी कर ली है। सामंथा ने इंस्टाग्राम पर एक सेल्फी के साथ शूट खत्म होने की घोषणा की। भारतीय रूपांतरण का निर्देशन राज और डीके द्वारा किया गया है। इसमें वरुण धवन और सिकंदर खेर भी हैं। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए सेल्फी पोस्ट की और इसे कैप्शन दिया- 13 जुलाई हमेशा स्पेशल दिन होगा। और यह सिटाडेल का समापन है। एक्ट्रेस अपने सभी पेंडिंग काम पूरे कर रही हैं। पिछले हफ्ते ही सामंथा ने अपनी अपकमिंग फिल्म खुशी की शूटिंग पूरी की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सामंथा को एक ऑटो-इम्यून बीमारी, मायोसिटिस है, जो उनकी मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाती है जिससे गंभीर दर्द होता है। एक्ट्रेस अब अपने इलाज पर ध्यान देने के लिए एक्टिंग से एक साल का ब्रेक लेंगी।

लखनऊ की लड़की की कहानी कहना चाहती हैं नुसरत भरूचा

प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी हिट फिल्में दे चुकीं एक्ट्रेस नुसरत भरूचा एक के बाद एक बेहतरीन काम किए जा रही हैं। लेकिन अभी भी उनका एक ऐसा ड्रीम रोल है जो वो करना चाहती हैं। साथ ही नुसरत ने बातचीत में हमें ये भी बताया कि वो किस तरह का पार्टनर चाहती हैं। प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी और जनहित में जारी जैसी फिल्मों से नुसरत भरूचा ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग का परिचय दिया। अपने किरदार से पहले कहानी के बारे में सोचने वाली 'ड्रीम गर्ल' को अभी उनके सपनों का राजकुमार नहीं मिला है। उनका मानना है कि ऐसा नहीं है कि किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है।

किरदार के बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं

स्क्रिप्ट के चुनाव से पहले मैं कहानी और डायरेक्टर भी देखती हूं। अगर स्टोरी अच्छी हो और डायरेक्टर सही ना हो तो वो खराब हो जाती है। अगर डायरेक्टर अच्छा हो और कहानी ठीक-ठीक हो तो भी वह उसे बेहतरीन बना देता है। इस वजह से मैं इन दोनों चीजों पर खासा ध्यान देती हूं। मैं यही मानती हूं कि आप जो करने आए हैं, उसे ईमानदारी के साथ निभाइए। जो भी काम मेरे पास आ रहा है, सबसे पहले मुझे अच्छा लगना चाहिए। फिर मैंने अगर तय कर लिया कि मुझे फिल्म करनी है तो मैं किसी के बारे में नहीं सोचती। मैं अपने किरदार की बजाए स्क्रिप्ट पर ध्यान देती हूं।

लोग भूल जाएं तो नया रास्ता चुन लें

हम ऐक्टर्स भी भावुक होते हैं। ऐसा नहीं है कि हम सिर्फ पर्दे पर ही इमोशन दिखाते हैं। कोई भी फिल्म बनाने में बहुत मेहनत लगती है। आपकी जिंदगी में कुछ असल में होता है तो इमोशन आते हैं, जबकि पर्दे पर हमें वह इमोशन क्रिएट होता है, जो कि मुश्किल है। उसके बाद अगर आपकी फिल्म को लोग नाकार देते हैं, पसंद नहीं आती या बॉयकॉट हो जाती है तो काफी दुख होता है। शायद, ऐसा कुछ है, जो हमें बदलना चाहिए। इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ दिया है। इतने समय में मैंने जो एक चीज सीखी है कि आप आज हो तो कल गायब भी हो सकते हो। लोगों का प्यार आज आपके पास है, कल हो सकता है वो आपको भूल जाएं।

मेरा किसी से अफेयर नहीं चल रहा

बॉलीवुड रीमेक पर निर्भर होता जा रहा है। इस पर नुसरत ने कहा कि फिल्मों में ऐसा ट्रेंड आता ही है। जैसे अगर कोई फिल्म चल गई तो पांच-दस प्रोड्यूसर वैसी ही फिल्में बनाने में लग जाएंगे। एक रीमेक चल गई तो सबने सोचा कि वैसी ही फिल्में बनानी चाहिए। ऐसा नहीं है कि आप किसी भी फिल्म का रीमेक बना लो और वो चल जाएगी। हिट होने के लिए फिल्म का अच्छा होना जरूरी है। अदाकारा ने अपने अफेयर की चर्चाओं पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मेरा अभी किसी से अफेयर नहीं चल रहा है।

कोरोना के समय ओटीटी ने ही बचाया था

ओटीटी से फिल्मों को खूब चुनौती मिल रही है। ये इतनी बड़ी परेशानी हो गई है, जिसे हम अभी समझ ही नहीं पा रहे लेकिन अभी इसका हल किसी को नहीं पता। कोरोना के समय में हमें बचाया भी ओटीटी ने ही था क्योंकि उस समय इसी प्लैटफॉर्म पर ही लोगों ने घर बैठे सिनेमा देखा। अब ओटीटी की जो ऑडियंस बन गई है, उसे अब मिटा तो नहीं सकते। अब ये संतुलन कैसे बनेगा कि ओटीटी भी चलता रहे और दर्शक सिनेमाघर भी आएं तो इस बारे में जरूर विचार करना होगा।

इत्मिनान से इमामबाड़ा घूमना है

लखनऊ की भाषा, अदा और नजाकत पर मैं फिदा हूं। यहां लोग खुशमिजाज है और दिल खोलकर खाते हैं। लखनवी चिकन शहरवालों की खूबसूरती को निखारता है। मैं इमामबाड़े में इत्मीनान से घूमना चाहती हूं। हालांकि, पिछली बार जब मैं यहां आई तो मास्क लगाकर वहां गई थी। शहर का खाना भी बहुत स्वादिष्ट है। लखनऊ में मैंने पहले 'अजीब दास्तां' की शूटिंग की थी। मैं चाहती हूं कि कोई लखनऊ की लड़की की कहानी लिखे तो मैं फिर यहां आकर शूटिंग करूं। जैसे मैंने भोपाल में कई फिल्में शूट की हैं क्योंकि उनकी कहानी वहां की पृष्ठभूमि पर थीं।

उर्फी जावेद ने कुरकुरे खाने का तरीका बताया

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर अपना नया वीडियो शेयर किया है, जो सुर्खियों में छाया हुआ है। उन्होंने कुरकुरे खाने से पहले कुछ ऐसा किया, जिसे देख लोगों का माथा ठनक गया। दरअसल, वो कुरकुरे को धोकर खाती नजर आईं। ये देख सब चौंक गए। उर्फी ने ये भी कहा कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है। उर्फी जावेद अजीबोगरीब फैशन के लिए जानी जाती हैं। वो आए दिन अपने आउटफिट्स को लेकर एक्सपेरिमेंट करती हैं। कभी वो बैग से ड्रेस बनाकर पहन लेती हैं तो कभी बालों से ही खुद को ढक लेती हैं। अपनी यूनीक ड्रेसेज की वजह से वो आलोचना का भी शिकार होती हैं। खैर। इस बार वो ड्रेस नहीं, बल्कि किसी और चीज के लिए चर्चा में हैं। उनका वीडियो देखने के बाद पहले लोगों को लगा कि वो कोई ड्रेस बनाने वाली हैं, लेकिन फिर उन्होंने ऐसा काम कर दिया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। दरअसल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वो किचन एरिया में खड़ी नजर आती हैं। उनके हाथ में एक स्टेनर होता है। वो कुरकुरे को उसमें डालती हैं और फिर नल के नीचे ले जाकर पानी से धो देती हैं। उर्फी बताती हैं कि कुरकुरे खाने का यही सबसे बेस्ट तरीका है।

इस वजह से परेश रावल ने अक्षय कुमार की ओएमजी 2 से किया किनारा

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। ओएमजी 2 में अक्षय भोलेबाबा के अवतार में नजर आएंगे। फिल्म का टीजर देखने के बाद फैंस ने एक्टर परेश रावल को काफी याद किया और सबके मन में यही सवाल है कि आखिर क्यों परेश ओह माय गॉड 2 में नहीं हैं। तो परेश रावल ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म का हिस्सा न बनने को लेकर वजह बताई थी।

हेरा फेरी 3 के अलावा इन दो फिल्मों के सीक्वल से जुड़े सुनील

बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी जल्द ही अपनी बेहतरीन कॉमेडी फिल्म हेरा फेरी की अगली किस्त हेरा फेरी 3 में नजर आने वाले हैं। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म के अलावा सुनील की आवारा पागल दीवाना के सीक्वल और अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम की तीसरी किस्त के भी लौटने की संभावना है। इन फिल्मों से जुड़े हर एक अपडेट पर फैंस अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं। वहीं, इन मूवी को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट की मानें तो आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 में एक क्रॉसओवर होगा, इस खबर मात्र ने ही फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। पहले एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने केवल हेरा फेरी 3 बल्कि दो और कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी के लिए भी साथ आ रहे हैं, जिनमें आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 शामिल है। वहीं, अब इन खबरों पर खुद सुनील शेट्टी ने चुप्पी तोड़ते हुए पक्की मुहर लगा दी है। हालिया इंटरव्यू में सुनील शेट्टी ने पुष्टि की कि वह आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 के साथ लौट रहे हैं, जहां वह जॉनी लीवर के जरिए निभाई गई छोटा छत्री के साथ येडा अन्ना की अपनी भूमिका को दोहराएंगे। सुनील शेट्टी ने अपने किरदार और फिल्म के सीक्वल पर मुहर लगाते हुए कहा, आवारा पागल दीवाना सीक्वल की कहानी तय हो गई है, लेकिन वेलकम 3 पहले आ सकती है। मैं वेलकम 3 का भी हिस्सा हूं। हेरा फेरी 3, आवारा पागल दीवाना 2 और वेलकम 3 इन तीनों ही फिल्मों को फिरोज नाडियाडवाला प्रोड्यूस करने वाले हैं। वहीं, बीते दिन हेरा फेरी 3 से पीछे हटने का कारण बताते हुए अक्षय कुमार ने कहा था, हेरा फेरी मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मुझे भी दुख होता है कि इतने वर्ष से फिल्म नहीं बनी, लेकिन जैसा कि मैंने कहा कि हमें कुछ अलग सोचना होगा। देखिए फिल्म की जो स्क्रिप्ट आई उससे मैं खुश नहीं था, इसलिए मैं पीछे हट गया।

बांग्लादेश बनाम भारत: बल्लेबाजों ने किया निराश, वर्षा प्रभावित मैच में 40 रन से हारी टीम इंडिया

मीरपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश से डकवर्थ लुईस पद्धति से 40 रन से हार मिली। बांग्लादेश महिला टीम ने वनडे में पहली बार भारत को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई।

बांग्लादेश से मिले 153 रन के लक्ष्य के जवाब में भारत की शुरूआत खराब रही और टीम इससे उभरने में कामयाब नहीं हुई। बारिश के कारण मैच को 44 ओवर का कर दिया गया था लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरना और बड़ी साझेदारी ना होने की वजह से वर्षा प्रभावित मैच में भारतीय टीम 113 रन पर ढेर हो गई। बड़ी बात यह थी कि कोई भी खिलाड़ी 20 रन के आंकड़े को भी पार नहीं सकी जबकि ओपनिंग आर्डर पूरी तरह से विफल रहा। सबसे ज्यादा 20 रन दीप्ति शर्मा ने बनाए।

वहीं इससे पहले भारत की युवा तेज गेंदबाज अमनजौत कौर ने वनडे में पदार्पण पर 31 रन देकर चार विकेट हासिल किये जिससे बांग्लादेश की टीम रविवार को यहां बारिश से प्रभावित शुरूआती एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 43 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। इस 23 साल की गेंदबाज ने सलामी बल्लेबाज मुर्शिदा खातून, फरगना हक, कप्तान निगार सुल्ताना और राबिया खान के विकेट झटके जिससे बांग्लादेश की टीम बारिश के कारण 44-44 ओवर के किए गए मैच में जूझती नजर आई। निगार सुल्ताना घरेलू टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं, उन्होंने शेरे बांग्ला राष्ट्रीय स्टेडियम में 39 रन की पारी खेलने के अलावा फरगना हक (27 रन) के साथ 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई।

बांग्लादेश की अंतिम बल्लेबाज शोर्ना अख्तर 44वें ओवर में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरी क्योंकि वह चोटिल थीं। इससे पहले भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया।

अमनजोत और बायें हाथ की स्पिनर अनुषा बारेड्डी ने वनडे पदार्पण किया जबकि शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पूनिया ने 2021 के बाद पहली बार भारतीय टीम में वापसी की। बांग्लादेश के लिए शोर्ना अख्तर ने अपना वनडे पदार्पण किया।

लक्ष्य सेन अमरीकी ओपन से बाहर, सेमीफाइनल में फेंग से हारे

काउंसिल ब्लफ्स (अमरीकी) (एजेंसी)। भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को अमरीकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में चीन के ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग से संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और यहां तीसरी वरीयता प्राप्त सेन दूसरी वरीयता प्राप्त फेंग के खिलाफ 17-21, 24-22, 17-21 से हार गए। शनिवार की रात को खेला गया बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट का यह मुकाबला एक घंटे 16 मिनट तक चला। विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी फेंग और 12वीं रैंकिंग के सेन के बीच यह मुकाबला काफी करीबी रहा।

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ी 17 अंकों तक बराबरी पर थे लेकिन के बाद चीन के खिलाड़ी ने आक्रामक रवैया दिखाया जबकि भारतीय खिलाड़ी ने कुछ गलतियां की। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता सेन ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की। पहले गेम की तरह दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियां की और 22 अंक तक दोनों बराबरी पर थे। लक्ष्य ने इसके बाद लगातार दो अंक बनाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

तीसरा और निर्णायक गेम पहले गेम की पुनरावृति था। फेंग ने शुरू में बढ़त बनाई और इंटरवल तक वह 11-8 से आगे थे। सेन ने हालांकि हार नहीं मानी और 17 अंकों तक स्वयं को मुकाबले में बनाए रखा। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दबाव बनाया तथा मैच अपनी झोली में डाला। सेन का फेंग के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 5-2 है। उन्होंने पिछले सप्ताह कनाडा ओपन में चीन के खिलाड़ी को 21-18, 22-20 से हराकर अपना दूसरा बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 खिताब जीता था।

पाक टीम को विश्वकप के लिए भारत दौरे पर जाना चाहिय: मिस्बाह

कराची (एजेंसी)। कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा है कि उनके देश को एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम भारत भेजनी चाहिये। मिस्बाह ने कहा कि अगर नहीं नहीं होता तो ये प्रशंसकों के साथ भी अन्याय होगा। इससे लोगों को भारत-पाक के बीच होने वाला एक शानदार मुकाबला नहीं देखने को मिलेगा। इस पूर्व क्रिकेट ने कहा कि जब दोनो ही देश अन्य खेलों में एक दूसरे का सामना करते हैं तो क्रिकेट में क्यों नहीं कर सकते। साथ ही कहा कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि लोगों को खेल से वंचित करना ठीक नहीं है।

इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''यह उन प्रशंसकों के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा जो दोनो देशों के मुकाबले को बहुत पसंद करते हैं। गौरतब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में आईसीसी से कहा था कि भारत के साथ राजनीतिक तनाव को देखते हुए एकदिवसीय विश्वकप के लिए दौरे का फैसला सरकार की मंजूरी के बिना नहीं लिया जा सकता है। भारत में विश्वकप इस साल अक्टूबर-नवंबर में खेला जाएगा।

मिस्बाह का मानना है कि अब समय आ गया है कि पाक को भारत जाना चाहिए और भारतीय टीम को भी मैच खेलने के लिए पाक का दौरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, '' निश्चित तौर पर पाक और भारत को विश्व कप खेलना चाहिए। वैसे भी हमारी टीम भारतीय परिस्थितियों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखती है। वहीं पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी का भी मानना है कि पाक को विश्व कप के लिए भारत जाना चाहिए।

विंबलडन 2023 में चेक की खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने रचा इतिहास, ओन्स जाबेउर को हराकर पहली बार जीता खिताब

विंबलडन(एजेंसी)। विंबलडन 2023 में महिला एकल के फाइनल मुकाबले में इतिहास रचते हुए चेक गणराज्य की 24 वर्षीय खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने खिताब हासिल किया है। उन्होंने फाइनल मुकाबले में 15 जुलाई को ट्यूनीशिया की ओन्स जाबेउर को सीधे सेटों में हराया है। वोंद्रोसोवा खिताब जीतने वाली सबसे कम रैंकिंग की और पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है।

मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 6-4 और 6-4 से ओन्स जाबेउर को शिकस्त देकर खिताब पर कब्जा किया है। ये उनके करियर का पहला ग्रैंड स्लैम है। इस जीत के साथ उन्होंने इतिहास भी रच दिया है। पिछले साल की उपविजेता और छठी वरीयता प्राप्त जाबेउर इस वर्ष भी खिताब हासिल करने से चूक गई। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा वर्ष 2019 में फ्रेंच ओपन के फाइनल तक पहुंचने में सफल हुई थी मगर तब वो खिताब नहीं जीत सकी थी।

वहीं इस बार विंबलडन 2023 की शुरुआत में ये किसी को अंदाजा नहीं था कि मार्केटा वोंद्रोसोवा खिताब पर कब्जा जमा लेंगी। वह खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब में नहीं आई थी।

लेकिन उनका यह दौरा यादगार बन गया और वह ग्रैंड स्लैम चैंपियन बनकर घर लौटेगी। वोंद्रोसोवा ने मैच के बाद कहा,'' मैं वास्तव में नहीं जानती कि अभी क्या हो रहा है। यह शानदार एहसास है। मैं जिस दौर से गुजरी उसे देखते हुए यह वास्तव में शानदार है कि मैं यहां खड़ी हूं और मेरे हाथ में ट्रॉफी है।''

बता दें कि पिछले साल अप्रैल से अक्टूबर तक चोटिल होने के कारण वोंद्रोसोवा बाहर रही थी। इसका आलम ये रहा था कि वर्ष 2022 के अंत में उनकी रैंकिंग 99 पर पहुंच गई थी। वहीं चोटिल होने के कारण ही उन्होंने पिछले वर्ष विंबलडन में भाग नहीं लिया था। बाएं हाथ से खेलने वाली वोंद्रोसोवा की विश्व रैंकिंग 42 है और वह पिछले 60 वर्षों में विंबलडन में फाइनल में खेलने वाली पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बनी थी। उनसे पहले यहां 1963 में फाइनल में पहुंचने वाली आखिरी गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बिली जीन किंग थी जो वेल्स की राजकुमारी केट के साथ रॉयल बॉक्स में उपस्थित थी। मैच के बाद किंग ने वोंद्रोसोवा को गले लगाया और कहा,'' पहली गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी। मुझे बहुत अच्छा लगा।'' तेज हवा चलने के कारण सेंटर कोर्ट को छत से ढक दिया गया था जिसका वोंद्रोसोवा ने पूरा फायदा उठाया। उनके बाएं हाथ से लगाए गए शॉट अक्सर सही जगह पर गिरे। वोंद्रोसोवा दोनों सेट में पिछड़ रही थी लेकिन पहले सेट में उन्होंने लगातार चार अंक बनाकर जीत दर्ज की जबकि दूसरे सेट में अंतिम तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है।

भारत-पाक मैच के लिए अभी से होटल और उड़ानें हो रही बुक, किराये में भारी उछाल

अहमदाबाद । अक्टूबर में यहां एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले को लेकर अभी से होटलों और उड़ानों पर असर पड़ने लगा है। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक मुकाबला 15 अक्टूबर को खेला जाएगा जिसमें अभी तीन माह बचे हैं पर अभी से ही बुकिंग हो गयी है। इसी कारण मैच से एक दिन पहले 14 अक्टूबर की हवाई यात्रा के टिकटों की कीमत में भारी तेजी आई है। यह उछाल दिल्ली-अहमदाबाद और मुंबई-अहमदाबाद रूट के बीच विशेष रुप से देखा जा रहा। बाजार जानकारों के अनुसार, जब से आईसीसी कार्यक्रम की घोषणा आधिकारिक तौर पर की गई है, एक रात के लिए होटल किराये में 5 गुना वृद्धि हुई है। लक्जरी होटल का किराया प्रति रात 50,000 रुपए तक पहुंच गया है। इसके साथ ही विमान के टिकट की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। तीन महीने पहले बुकिंग करने पर भी हवाई किराया सामान्य से छह गुना अधिक महंगा पड़ रहा है। आगे कहा गया, अगस्त और सितंबर में इकोनॉमी क्लास का दिल्ली-अहमदाबाद टिकट लगभग 3000 रुपए का होगा पर मैच से एक दिन पहले उसी टिकट की कीमत 20,000 रुपए होगी।

कुलदीप को टेस्ट में अवसर दिया जाये : कुंबले

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले ने कहा है कि कैरेबियाई पिचों पर चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को अवसर मिलना चाहिये। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनो ही पारियों में कुल 12 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कुलदीप में इस दौर में एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है पर वह टेस्ट टीम में नहीं हैं। अब देखना है कि कुंबले की मांग पर कब उन्हें चयनकर्ता टेस्ट टीम में जगह देते हैं। कुलदीप ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश की ओर से खेला था। इस पूर्व स्पिनर ने कहा कि टेस्ट में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिये, क्योंकि वह बहुत ही अच्छे स्तर का का स्पिनर हैं। एक लेग स्पिनर काफी आक्रामक होता है और हालात अगर कठिन हों तो उसे खेलना मुश्किल होता है। कुंबले ने साथ ही कहा कि लेग स्पिनर जरुर रन देते हैं पर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए साथ लेकर चलने की जरुरत होती है। ऐसे में जब भी अवसर मिले उन्हें टीम में शामिल करें। उन्होंने कहा कि टेस्ट प्रारूप के हिसाब से कुलदीप एक अच्छे स्पिनर हैं। उन्हें जब भी मौका मिला है उन्होंने अच्छा ही प्रदर्शन किया है। ऐसे में जिस प्रकार अन्य स्पिनरों को अवसर दिसे जा रहे हैं उसे भी देना चाहिये।

एशियाई चैंपियनशिप: पारूल चौधरी ने 5000 मीटर में रजत के साथ दूसरा पदक जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की लंबी दूरी की दिग्गज धाविका पारूल चौधरी ने रविवार को यहां एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन 5000 मीटर दौड़ में रजत पदक के साथ अपना दूसरा पदक जीता। शुक्रवार को 3000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक जीतने वाली पारूल ने 5000 मीटर में 15 मिनट 52.35 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

जापान की युमा यामामोटो ने 15 मिनट 51.16 सेकेंड के समय से शीर्ष पर रहीं। पारूल के नाम पर 5000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है जो 15 मिनट 10.35 सेकेंड का है। अंकिता ने इसी स्पर्धा में 16 मिनट 3.33 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। इससे पहले किशन कुमार और केएम चंदा ने अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला 800 मीटर दौड़ में रजत पदक जीते। किशन एक मिनट 45.88 सेकेंड के समय के साथ कतर के अबुबाकर एच अब्दाला (एक मिनट 45.53 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर दौड़ में दो मिनट 1.58 सेकेंड का समय लिया। श्रीलंका की एमके दिसानायका दो मिनट 0.66 सेकेंड के समय के साथ शीर्ष पर रहीं। इससे पहले किशन का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक मिनट 46.17 सेकेंड जबकि चंदा का दो मिनट 1.58 सेकेंड था।

प्रियंका गोस्वामी और विकास सिंह ने भी क्रमश: महिलाओं और पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीते। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका ने महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल में एक घंटा 34 मिनट और 24 सेकेंड का समय लेकर चीन की यांग लिउजिंग (1:32:37) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। जापान की युकिको उमेनो ने 1:36:17 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

प्रियंका का सर्वश्रेष्ठ समय हालांकि एक घंटा 28 मिनट और 45 सेकेंड है। इस

स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय भावना जाट एक घंटा, 38 मिनट और 26 सेकेंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में विकास ने एक घंटा, 29 मिनट और 32 सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। जापान के युतारो मुरायामा (1:24:40) ने स्वर्ण पदक जबकि चीन के वांग काइहुआ (1:25:29) ने रजत पदक जीता। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह रेस पूरी नहीं कर पाए क्योंकि जजों ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। विकास का सर्वश्रेष्ठ समय एक घंटा 20 मिनट और पांच सेकेंड है। यह उनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला पदक है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 10 किमी पैदल चाल में रजत पदक जीतने वाली प्रियंका और विकास 17 से 29 अगस्त तक हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके हैं।

भारत की संगीता ने हंगरी रैंकिंग सीरीज में कांस्य जीता

बुडापेस्ट । भारतीय महिला पहलवान संगीता फोगाट को हंगरी रैंकिंग सीरीज कुश्ती प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर आने के साथ ही कांस्य पदक मिला है। संगीता ने बुडापेस्ट में आयोजित हंगरी रैंकिंग सीरीज कुश्ती चैंपियनशिप के 59 किग्रा वर्ग में हुए एक आसान से हंगरी की विक्टोरिया बोरसोस को आसानी से हरा दिया। संगीता ने तीसरे-चौथे स्थान के लिए हुए मैच में बोरसोस को निर्णय द्वारा जीत (वीपीओ1) में 6-2 से हराया। संगीता ने इस मुकाबले के दौरान ही टेकडाउन मूव के साथ बढ़त बना ली। वहीं हंगरी की पहलवान ने 2-2 से स्कोरबराबर कर लिया पर संगीता ने इसके बाद आक्रामक उग्र अपना कर मुकाबले पर दबदबा बना लिया। संगीता इस टूर्नामेंट में संयुक्त राज्य अमेरिका की जेनिफर पेज रोजर्स से मिली हार के बाद रेपेचेज राउंड के जरिये सेमीफाइनल में पहुंची थीं। यहां उन्होंने तीसरे दौर में एक अन्य अमेरिकी पहलवान ब्रेंडा ओलिविया रेयना को तकनीकी श्रेष्ठता (वीएसयू1) से 12-2 से हराकर वापसी की।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ किया करार, क्लब ने की पुष्टि

वाशिंगटन । अर्जेंटीना को फीफा वर्ल्ड कप का खिताब दिलाने वाले लियोनल मेसी ने इंटर मियामी क्लब के साथ आधिकारिक करार कर लिया है। क्लब की नंबर 10 शर्ट पहने हुए 36 वर्षीय महान खिलाड़ी का एक वीडियो इंटर के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया गया। क्लब ने बाद में इसकी पुष्टि की कि दिसंबर 2025 तक मेसी इंटर मियामी क्लब के लिए ही खेलेंगे। मेसी ने कहा, 'मैं इंटर मियामी और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने करियर का अगला कदम शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह एक शानदार अवसर है और हम साथ मिलकर इस खूबसूरत सफर को जारी रखेंगे। विचार यह है कि हमने जो उद्देश्य निर्धारित किए हैं उन्हें हासिल करने के लिए मिलकर काम करें। मैं यहां अपनी नई टीम में खेलने के लिए बहुत उत्सुक हूं।' पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन स्टार 21 जुलाई को मैक्सिको के क्रूज अजुल के खिलाफ लीग कप मैच में इंटर मियामी के लिए पदार्पण करेंगे। जून में मेसी ने घोषणा की कि वह फ्लोरिडा संगठन में शामिल होने के लिए पीएसजी छोड़ रहे हैं, जिसका आंशिक स्वामित्व इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम के पास है। फॉरवर्ड ने तब से कहा है कि वह अपने करियर के आखिरी चरण का आनंद लेने के लिए उत्सुक हैं, उन्होंने पिछले दिसंबर में कतर में अर्जेंटीना के लिए फीफा विश्व कप जीतने का अपना अंतिम लक्ष्य हासिल कर लिया है। एमएलएस कमिश्नर डॉन गार्बर ने कहा, 'हमें बहुत खुशी है कि दुनिया के महानतम खिलाड़ी ने इंटर मियामी और मेजर लीग सॉकर को चुना। उनका निर्णय हमारी लीग और उत्तरी अमेरिका में हमारे खेल के पीछे की गति और ऊर्जा का प्रमाण है।' मेसी मौजूदा समय में दुनिया के सबसे उम्दा फुटबाल खिलाड़ी माने जाते हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक दो बार विश्व कप गोल्डन बॉल विजेता, तीन बार यूईएफए पुरुष खिलाड़ी ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता है।

क्या भारतीय टीम के खिलाड़ी के रुप में गब्बर का कैरियर खत्म

-धवन को मिल रही किस बात की सजा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय सेलेक्टर्स ने एशियन गेम्स 2023 के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया, तब कई युवा खिलाड़ियों की किस्मत जाग उठी। रिंकू सिंह, प्रभसिमरन, जितेश शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों के घर में यकीनन खुशी का माहौल है। हालांकि, टीम के चयनकर्ताओं ने टीम चयन के साथ ही एक स्टार बल्लेबाज शिखर धवन के करियर पर ग्रहण भी लगा दिया है। माना जा रहा था कि गब्बर को इस टूर्नामेंट के लिए टीम की कप्तानी सौंपी जाएगी। हालांकि, कप्तानी छोड़िए धवन को टीम में जगह तक नहीं दी गई है। इसके बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या धवन के लिए टीम इंडिया के दरवाजे अब हमेशा के लिए बंद हो गए हैं?

पिछले साल जब टी-20 वर्ल्ड कप के लिए धवन को नजरअंदाज किया गया था, तब गब्बर का कहना था कि उनका फोकस 50 ओवर के वर्ल्ड कप पर है। हालांकि, सच्चाई यह है कि धवन को टी-20 की तरह ही वनडे टीम से भी लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया को तीन वनडे खेलने हैं, लेकिन उस टीम में गब्बर का दूर-दूर तक नाम शुमार नहीं है। इसके बाद धवन भारत की धरती पर होने वाले विश्व कप में टीम में शामिल होने वाले हैं, या नहीं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है।

दरअसल बीसीसीआई ने जब एशियन गेम्स 2023 में भारतीय टीम को भेजने का फैसला किया, तब बताया गया कि टूर्नामेंट में बी टीम शिरकत करेगी। तभी से ऐसी अटकलें थी कि एशियन गेम्स में शिखर धवन को टीम की कमान सौंपी जा सकती है। हालांकि, भारतीय सेलेक्टर्स ने सभी को हैरान कर रुतुराज गायकवाड़ को टीम का कप्तान नियुक्त किया और गब्बर को टीम में जगह तक नहीं मिली।

जहां धवन का टीम में चयन ना होना यकीनन थोड़ा चौंकाने वाला है। गब्बर आखिरी बार टीम की जर्सी पहनकर साल 2022 में उतरे थे। वनडे में बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर में धवन ने अपना आखिरी मैच खेला था। इस सीरीज में धवन का बल्ला खामोश रहा था और उन्होंने तीन मैचों में सिर्फ 18 रन बनाए थे। हालांकि, इस सीरीज में फ्लॉप होने के बाद धवन की वनडे टीम में वापसी नहीं हुई। 167 वनडे मैचों में 44.11 की औसत से 6,793 रन बनने वाले बाएं हाथ के इस खिलाड़ी का रिकॉर्ड इतना भी खराब नहीं है कि उन्हें अब मौके ही ना दिए जाए।

साल 2022 में धवन ने 22 वनडे मैच खेले थे और इस दौरान 34 की औसत से उनके बल्ले से 688 रन निकले थे, जिसमें छह अर्धशतक शामिल थे। वहीं, 2021 में गब्बर ने 59.40 की औसत से 297 रन बनाए थे। टी-20 टीम से धवन का नाता पहले ही टूट चुका है। एशियन गेम्स 2023 का फॉर्मेट भी फटाफट वाला है और शायद इस वजह से भी उन्हें टीम में नहीं रखा गया है। हालांकि, वनडे में बेमिसाल रिकॉर्ड होने के बावजूद धवन की अनदेखी थोड़ी चौंकाने वाली जरूर है।

हॉकी इंडिया ने राज्य इकाइयों से जिला स्तर पर नीतियों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा

नयी दिल्ली। हॉकी के विकास के लिए अपनी परियोजनाओं और नीतियों का अधिक प्रभावी तरीके से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हॉकी इंडिया अपने 'सदस्य इकाई पोर्टल' का विस्तार करेगा और इसमें जिला इकाईयों की जानकारी भी शामिल करेगा। पूर्व भारतीय कप्तान और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि उनका उद्देश्य सभी हिस्सों में सुशासन को बढ़ावा देना है। हॉकी इंडिया ने अपने सदस्य इकाइयों से जिला इकाइयों की कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए कहा है और इसे सदस्य यूनिट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं ताकि राष्ट्रीय संस्था इनकी प्रगति का पता कर सके। टिर्की ने रविवार को जारी बयान में कहा,''सदस्य इकाई पोर्टल में जिलों को शामिल करने का कदम जमीनी स्तर पर हॉकी को बढ़ावा देने के प्रति हॉकी इंडिया की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम खेल के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए भारत के सभी जिलों के बारे में जानकारी एकत्रित करें।

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश सबसे महत्वपूर्ण विषय है: मुख्यमंत्री

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को जी20 समिट के अंतर्गत गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में आयोजित "इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर्स डायलॉग" की शुरुआत करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश एक महत्वपूर्ण विषय है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं बेहतर पर्यावरण और सामाजिक प्रगति के द्वारा ही आर्थिक विकास व निवेश के अवसरों को सार्थक बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप आज गिफ्ट सिटी में देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय वित्त सेवा केन्द्र (आईएफएससी) कार्यरत है। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व कि बात है कि, यह परिसर पहली बार अंतरराष्ट्रीय चर्चाओं का मंच बना है। मुख्यमंत्री ने गुजरात को व्यापार और वित्तीय गतिविधियों का वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में पिछले दशकों से लगातार बड़ी मात्रा में एफडीआई आ रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक व्यापार जगत गुजरात पर काफ़ी अधिक भरोसा करता है। वर्ष 2022-23 में गुजरात को 4.7 बिलियन डॉलर से अधिक एफडीआई प्राप्त हुआ है। इस संदर्भ में विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में वर्ल्ड क्लास बिजनेस ईकोसिस्टम मौजूद है। इतना ही नहीं, गुजरात की दो दशकों की विकास यात्रा में गतिशील उद्यमिता - कुशल कार्यबल - अनुकूल व्यापार माहौल और विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन, हमेशा इसके मूल में रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात ने सुदृढ़ वित्तीय व्यवस्थापन यानी प्रूडेंट फाइनेंशियल मेनेजमेंट के जरिए इकॉनोमिक डेवलपमेंट से लेकर सोशल एनवायरमेंट तक सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम हासिल किए है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि नीति आयोग ने भी गुजरात के वित्तीय प्रबंधन की सराहना की है। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात सरकार एक विज़न के साथ वित्तीय प्रबंधन कर रही है तथा उसी के परिणामस्वरुप अपने फिस्कल टार्गेट्स को हासिल करने में भी सफलता पाई है। उन्होंने बताया कि 2021-22 में गुजरात का फिस्कल डेफिसिट जीएसडीपी के 1.16 प्रतिशत से कम रहा है। गुजरात पिछले डेढ़ दशक से हर वर्ष अधिशेष (सरप्लस) बजट प्रदान कर रहा है। इतना ही नहीं, इस वर्ष के बजट परिव्यय में पिछले बजट की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि और पूंजीगत व्यय में 92 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री पटेल ने जी20 समिट में आये सभी देशों के प्रतिनिधियों को गिफ्ट सिटी की लिमिटलेस पोसिबलिटीज को एक्सप्लोर करने के साथ-साथ जनवरी 2024 में आयोजित होने वाले वायब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भी सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया।

गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में आयोजित इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर्स डायलॉग में उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए गिफ्ट सिटी के चेयरमैन हसमुख अढ़िया ने कहा कि गुजरात योजनाबद्ध तरीके से विश्व स्तरीय ग्रीन फील्ड सिटी का निर्माण करने में अग्रणी है तथा राजधानी गांधीनगर उसका उत्कृष्ट उदाहरण है। अढ़िया ने आगे कहा कि गिफ्ट सिटी में ग्लोबल फाइनेंशियल ईकोसिस्टम को ध्यान में रखते हुए वैश्विक स्तर पर परस्पर विश्वास और सहयोग की भावना से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सामूहिक प्रयासों से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सकता है तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर और सुदृढ़ बनाकर उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गिफ्ट सिटी आज बैंकिंग, बीमा, विदेशी विश्वविद्यालय, शिप लिजिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों के ग्रोथ सेक्शन के रूप में वैश्विक इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन के रूप में तेजी से उभर रहा है और अर्थव्यवस्था के विकास के लिए नई दिशाएँ प्रशस्त कर रहा है इतना ही नहीं, यह सतत शहरी विकास का ब्लू प्रिंट तैयार करके विश्व के अन्य वित्तीय केंद्रों के लिए एक उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है।

मुख्य सचिव राज कुमार ने कहा कि सतत विकास सिर्फ एक आकांक्षा या इच्छा नहीं, बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। राज्य सरकार ने नगर नियोजन में स्थिरता, हरित ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मामलों को शामिल करने के लिए अभिगम अपनाया है। उन्होंने कहा कि गुजरात अनेक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करके इस क्षेत्र में अग्रणी रहा है। गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से अधिकतम बिजली उत्पादन वाला सोलार सस्टेन स्टेट है। अगले 2 से 3 वर्षों में हम नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के माध्यम शहरी क्षेत्रों की सभी विद्युत सम्बंधित आवश्यकताओं को पूरा करने मेंसक्षम होंगे। उन्होंने आगे कहा कि जीवन को सुख-सुविधायुक्त बनाने के लिए ही शहरों की रचना करनी चाहिए। पर्यावरण को ध्यान में रखकर ही शहरी नियोजन प्रभावी विकल्प बनता है। गिफ्ट सिटी, सस्टेनेबल सिटीज़ के डेवलपमेंट की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण है। गिफ्ट सिटी में कई 'स्टेट ऑफ दि आर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर' मौजूद हैं। गुजरात के अन्य शहर जैसे अहमदाबाद, सूरत, राजकोट और वडोदरा भी सस्टेनेबल सिटीज़ पर काम कर रहे हैं। गुजरात सरकार आगामी 35 से 40 वर्षों की योजना बनाकर सस्टेनेबल सिटीज़ की दिशा में आगे बढ़ रही है।

100 करोड़ की लोन की लालच में महाराष्ट्र के बिल्डर ने गंवाए 65 लाख, जांच में जुटी सूरत पुलिस

सूरत।

महाराष्ट्र के एक बिल्डर ने रु. 100 करोड़ लालच में आकर रु. 65 लाख गंवा दिए। ठगे जाने के बाद बिल्डर ने सूरत के महिधरपुरा पुलिस थाने में तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के बिल्डर जगदीश मोहनलाल रु. 100 करोड़ की लोन के लिए सूरत के दिल्ली गेट स्थित एक होटल में ठहरे थे। जहां बिल्डर जगदीश से मिलने मीना गाडेकर नामक महिला पहुंची। मीना गाडेकर ने बिल्डर के दस्तावेज जांचने के बाद कहा कि 50 करोड़ रुपए की लोन मिल जाएगी। हांलाकि उसके लिए 2 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से रु. 50 लाख मांगे। साथ ही मीना गाडेकर ने बिल्डर को फाइनांस कंपनी के मालिक मोहनिश उर्फ मनीष के साथ मुलाकात करने को कहा। इसके बाद मीना गाडेकर ने ललित रडके नाम शख्स से बिल्डर जगदीश की मुलाकात करवाई। इसी के साथ लोन के लिए बिल्डर ने सूरत के अमरोली में रहनेवाले मोहनिश से भी मुलाकात की। उस दौरान एग्रिमेन्ट के लिए बिल्डर को गोवा की होटल में बुलाया गया। जहां सुहास दूधे बैग लेकर पहुंचा। हांलाकि बैग चेक करने पर उसमें लेडिज के अंडर गारमेन्ट निकले। जिससे बिल्डर जगदीश को शक हो गया है। दूसरी ओर सुहास दूधे और मीना गाडेकर ने बिल्डर जगदीश को ईडी में केस करने की धमकी दी। जिसके बाद बिल्डर जगदीश से आरटीजीएस के जरिए रुपए भी ट्रांसफर करवा लिए। लोन की लालच में ठगे जाने का अहसास होने पर बिल्डर जगदीश ने मीना गाडेकर, सुहास दूधे और अमर पाटील के खिलाफ रु. 1.15 करोड़ की धोखाधड़ी का केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

विश्व बैंक के अध्यक्ष एवं उच्च स्तरीय प्रतिनिधमंडल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री के साथ बैठक की

गांधीनगर । गुजरात में आयोजित हो रहीं G20 बैठकों में सहभागी होने के लिए आए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बांगा एवं उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ विस्तृत बैठक की। गुजरात के साथ विश्व बैंक के संबंधों का सेतु सुदृढ़ रहा है और गुजरात विकास के रोल मॉडल के रूप में प्रस्थापित हुआ है। विश्व बैंक के अध्यक्ष ने इसके लिए अभिनंदन दिया। विश्व बैंक के अध्यक्ष श्री बांगा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात लार्ज स्केल प्रोजेक्ट्स, मैन्युफ़ैक्चरिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा रिन्यूएलबल एनर्जी सहित विभिन्न क्षेत्रों में बड़े स्तर पर काम कर रहा है; जिसमें विश्व बैंक सहायता करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक केवल वित्तीय संस्था ही नहीं, बल्कि नॉलेज बैंक भी है। इस संदर्भ में, बांगा ने सुझाव दिया कि विश्व बैंक एवं गुजरात के प्रतिनिधि साथ मिल कर गुजरात के साथ नॉलेज पार्टनरशिप करने की दिशा में प्राथमिकताएँ सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पार्टनरशिप विशेष रूप से एनर्जी, मैन्युफ़ैक्चरिंग, स्किलिंग एवं कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए उपयुक्त होगी। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात द्वारा ग्रीन ग्रोथ, क्लाइमेट रेलीज़िएंट तथा अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर में प्राप्त की गई महारत के विषय में अपनी बात

कही। उन्होंने कहा कि गुजरात ने रोज़गार निर्माण तथा आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए इन सभी क्षेत्रों में फ़ोकस किया है। पटेल ने विश्व बैंक के अध्यक्ष को आगामी वाइब्रेंट गुजरात-2024 में आने का निमंत्रण भी दिया। इस बैठक में मुख्य सचिव राज कुमार, वित्त विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी जे. पी. गुप्ता, प्रधान सचिव श्रीमती मोना खंधार सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ सचिव और विश्व बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जेल की महिला सिपाही के मंगेतर ने आत्महत्या कर ली, 15 दिन पहले हुई दोनों की सगाई

अहमदाबाद।

शहर के राणीप में महिला जेल सिपाही के मंगेतर के आत्महत्या कर लेने की घटना सामने आई है। 15 दिन पहले ही दोनों की शादी हुई थी। मृतक युवक के परिवार ने महिला सिपाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार आरोप लगाया कि उसके बेटे को महिला सिपाही बंदर जैसा दिखता होने का ताना मारती थी। मानसिक और शारीरिक यातनाओं से परेशान होकर उसके बेटे ने आत्महत्या कर ली। राणीप पुलिस ने महिला सिपाही के खिलाफ दुष्प्रेरणा का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक चार महीने पहले जीगर पटेल नामक युवक का एक एप्लिकेशन के जरिए फाल्गुनी चावडा नामक युवती से संपर्क हुआ था। जिसके बाद दोनों की गांधीनगर के कड़ी-छत्राल में सगाई हो गई। जीगर पटेल ने मिकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है, जबकि फाल्गुनी चावडा अहमदाबाद के साबरमती सेंट्रल जेल में महिला सिपाही है। जीगर पटेल अपने मंगेतर फाल्गुनी चावडा से मिलने साबरमती सेंट्रल जेल के क्वार्टर्स में जाया करता था। हांलाकि सगाई के बाद दोनों के बीच लड़ाई झगड़े शुरू गए। घटना के दिन फाल्गुनी को जीगर ने अपने घर से बाहर निकाल दिया और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फाल्गुनी ने जीगर के परिवार को घटना के बारे में बताया। जीगर के पिता जगदीश पटेल ने राणीप पुलिस थाने में महिला जेल सिपाही फाल्गुनी चावडा के खिलाफ दुष्प्रेरणा की शिकायत दर्ज करी है। जिसमें आरोप लगाया है कि जीगर पटेल की फाल्गुनी की सगाई के बाद से ही फाल्गुनी जीगर के शारीरिक बनावट को लेकर ताने मारती थी और कहती थी कि वह बंदर जैसा दिखता है। हाथ-पैर बहुत छोटे हैं और बोडी भी ठीक नहीं है। इतना ही नहीं फाल्गुनी यह भी कहती कि उसने अपने पिता के दबाव में आकर जीगर के साथ सगाई की थी। जबकि जीगर उसे तनिक भी पसंद नहीं था। इस प्रकार शारीरिक और मानसिक यातनाएं देकर फाल्गुनी ने जीगर का जीना दूभर कर दिया है। इसी कारण जीगर ने आत्महत्या कर ली। राणीप पुलिस ने जीगर के पिता की शिकायत के आधार पर दुष्प्रेरणा का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

लोकसभा चुनाव से पहले अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी

अहमदाबाद।

अहमदाबाद के बाद अब मेट्रो ट्रेन सेवा को राज्य की राजधानी गांधीनगर से जोड़ने का आयोजन है। आगामी मार्च 2024 से अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी। अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन चलने से सरकारी कर्मचारियों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। मेट्रो के प्रोजेक्ट एन्ड प्लानिंग डायरेक्टर आनंद सिंग के मुताबिक दिसंबर 2024 तक मेट्रो पूरी तरह से कार्यरत हो जाएगी। लोकसभा चुनाव से पहले अहमदाबाद और गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रैन दौड़ाने का आयोजन है। अहमदाबाद के मोटेरे से गांधीनगर सेक्टर-1, गिफ्ट

सिटी रूट में 22 स्टेशन होंगे और मार्च 2024 से ट्रायल रन का प्रारंभ होगा। अहमदाबाद-गांधीनगर के बीच मेट्रो ट्रेन की शुरुआत से सरकारी कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा होगा। बता दें कि पिछले साल 30 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी और 2 अक्टूबर से यह सेवा शुरू हो गई थी। फिलहाल अहमदाबाद में थलतेज से वस्त्राल और और मोटेरा से एपीएमसी के रूट पर मेट्रो ट्रेन चल रही है। सरकार की पश्चिमी अहमदाबाद में मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना है। इस योजना के तहत साणंद, थोळ, कलोल, कडी को भी जोड़ा जाएगा। पूर्व और पश्चिम में मेट्रो ट्रेन शुरू होने से डेइली अपडान करने वाले विद्यार्थी, नौकरीपेशा और व्यवसायियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

यूएई के वित्त राज्यमंत्री मोहमद अल हुसैनी ने की मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट

गांधीनगर । यूएई के वित्तीय मामलों के राज्य मंत्री मोहम्मद अल हुसैनी ने रविवार को गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। मोहम्मद अल हुसैनी, जी20 समिट के भाग के रूप में गिफ्ट सिटी में आयोजित "इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टर्स डायलॉग" तथा फाइनेंस सेक्टर की बैठक में सहभागी होने के लिए गुजरात आए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस भेंट के दौरान मोहम्मद अल हुसैनी को गुजरात में गिफ्ट सिटी के अलावा धोलेरा स्मार्ट इंडस्ट्रियल सिटी (डीएसआईआर) में उद्योगों तथा निवेशकों के लिए उपलब्ध उत्कृष्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर के बारे में भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस शिष्टाचार भेंट के दौरान यह भी जानकारी दी कि गुजरात नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र तथा ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने की सज्जता के साथ हरित विकास की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है इस शिष्टाचार भेंट में यूएई और गुजरात के मध्य विभिन्न क्षेत्रों में परस्पर निवेश की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने यूएई के वित्तीय मामलों के राज्य मंत्री को जनवरी 2024 में होने वाले वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने के लिए भी निमंत्रण दिया। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी पंकज जोशी, उद्योग विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी एस. जे. हैदर तथा जी20 को-ऑर्डिनेटर प्रमुख सचिव श्रीमती मोना खंधार भी सहभागी हुए।

रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने मुंबई सेंट्रल स्टेशन से नवपरिवर्तित एलएचबी रेक के साथ फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सूरत भूमि, सूरत। केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश 16 जुलाई, 2023 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन से नवपरिवर्तित लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) रेक के साथ मुंबई सेंट्रल-सूरत फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए।

केंद्रीय रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 16 जुलाई 2023 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन कॉनकोर्स में आयोजित एक समारोह में ट्रेन संख्या 12921/12922 मुंबई सेंट्रल-सूरत फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस के नवपरिवर्तित लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) रेक को मुंबई सेंट्रल स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रीमती जरदोश ने माननीय सांसद श्री गोपाल शेट्टी और माननीया विधायक श्रीमती मनीषा चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में इस प्रतिष्ठित ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। माननीया राज्य मंत्री ने इस बेहद लोकप्रिय ट्रेन में यात्रियों के साथ सूरत तक यात्रा भी की। सूरत स्टेशन पर माननीय विधायक श्री किशोरभाई कनानी (कुमार), श्री प्रवीणभाई घोघारी, श्री कांतिभाई बलर, श्री अरविंद राणा और श्री मनुभाई एम. पटेल ट्रेन का स्वागत करने के लिए उपस्थित रहेंगे।

रेल राज्य मंत्री श्रीमती जरदोश ने सभा को संबोधित किया और प्रसन्नता प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मुंबई और सूरत के लिए गर्व का क्षण है कि इस प्रतिष्ठित ट्रेन को एक और मेकओवर मिला है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नया एलएचबी रेक यात्रियों को अतिरिक्त आराम प्रदान करेगा और उनकी बेहतर संरक्षा सुनिश्चित करेगा।

बेहद लोकप्रिय मुंबई-सूरत फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि यह ट्रेन पहली बार 1906 में शुरू हुई थी। एक बड़ी सभा में बॉम्बे सेंट्रल में बुलसर (अब वलसाड) के तत्कालीन जिला अधीक्षक की पत्नी ने ट्रेन का नाम फ्लाइंग रानी रखा था। इसके बाद बीच-बीच में इसकी सेवाओं को रोका गया लेकिन लगभग 1950 से यह लगातार पटरी पर है। यह प्रतिष्ठित ट्रेन पूरे समर्पण के साथ मुंबई और सूरत के बीच लोगों की परिवहन संबंधी जरूरतों को पूरा कर रही है।

वर्ष 1965 में, फ्लाइंग रानी एक्सप्रेस ट्रेन ने एक और उपलब्धि हासिल की जब इसे देश की सबसे तेज़ मध्यम दूरी की ट्रेन घोषित किया गया। इसी दौरान, इस ट्रेन के डिब्बों का रंग बदला गया और पश्चिम रेलवे द्वारा इसे नीले रंग का एक अलग हल्का एवं गहरा कोट दिया गया। नवंबर, 1976 में इस ट्रेन को हल्के और गहरे हरे रंग में रंगा गया। जून, 1977 से यह ट्रेन परिष्कृत विद्युत कर्षण पर चलाई जाने लगी। 18 दिसंबर, 1979 को फ्लाइंग रानी भारतीय रेल के इतिहास में डबल-डेकर कोचों वाली पहली ट्रेन बन गई। यह ट्रेन यात्रियों, व्यवसायियों और व्यापारियों के बीच लोकप्रिय है क्योंकि यह दो वाणिज्यिक केंद्रों को जोड़ती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)